हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र

भारत निविदा लाईन समाचार

क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 18 ■ अंक: 43 ■ नई दिल्ली 01 से 07 अगस्त 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

सैम बहादुर को तीन सम्मान मिलने पर फातिमा सना शेख गदद

जन शिकायत निवारण में शिकायत निवारण की समयसीमा घटी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध, प्रभावी और पारदर्शी निवारण सुनिश्चित करने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। यह जानकारी गुरुवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दी। डॉ. सिंह ने बताया कि केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के अंतर्गत अप्रैल 2022 में 10-सूत्रीय सुधार योजना लागू की गई। इसके परिणामस्वरूप 2022 से 2025 के बीच कुल 80,36,042 शिकायतों का समाधान किया गया। शिकायतों के समाधान की औसत समयसीमा 2019 के 28 दिनों से घटकर अब 2025 में 16 दिन कर दी गई है। सरकार ने 23 अगस्त 2024 को लोक शिकायतों के प्रभावी समाधान के लिए व्यापक दिशानिर्देश भी जारी किए, जिसमें न केवल समयसीमा को 30 दिन से घटाकर 21 दिन किया गया, बल्कि मंत्रालयों और विभागों में समर्पित शिकायत प्रकोष्ठ और अनुभवी अपीलीय अधिकारियों की नियुक्ति को अनिवार्य बनाया गया।

इसके साथ ही एक मजबूत अपील प्रणाली भी तैयार की गई है, जिसके तहत 90 नोडल अपीलीय अधिकारी और 1597 उप-अपील अधिकारी कार्यरत हैं।

राहुल गांधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ी के लगाए आरोप

भाजपा के साथ मिलकर हेराफेरी कर रहा चुनाव आयोग

कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 1,00,250 वोटों की हेराफेरी हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर चुनावों में हेराफेरी कर रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे संविधान की नींव 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत पर टिकी है। इसलिए जब चुनाव होते हैं तो सबसे जरूरी सवाल यह है कि क्या सही लोगों को वोट डालने की अनुमति मिल रही है? क्या वोटर लिस्ट में फर्जी नाम जोड़े जा रहे हैं? क्या वोटर लिस्ट सटीक है? उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से लोगों में संदेह बढ़ता जा रहा है। उन्होंने पांच मुख्य बिंदु गिनाए और कहा कि भाजपा को कभी भी एंटी-इनकंबेंसी (विरोधी लहर) का सामना नहीं करना पड़ता। भाजपा को अप्रत्याशित और बड़ी जीत मिल जाती है। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल बार-बार गलत साबित हो जाते हैं।

5 बजे के बाद वोटिंग में उछाल

राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों में उन्हें इन संदेहों के पीछे की असल तस्वीर दिखने लगी। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में सिर्फ 5 महीनों में जितने नए वोटर जोड़े गए, उतने पिछले 5 सालों में भी नहीं जोड़े गए थे। कई क्षेत्रों में जितने वोटर जोड़े गए, वह उन इलाकों की पूरी आबादी से भी ज्यादा थे। 5 बजे के बाद वोटिंग में अचानक जबरदस्त उछाल आया, लेकिन मतदान केंद्रों पर लाइनें नहीं थीं। महाराष्ट्र के चुनाव का डेटा दिखाकर आरोप लगाया कि राज्य विधानसभा चुनाव में धांधली हुई है और 40 लाख वोट रहस्यमयी तरीके से जोड़े गए।

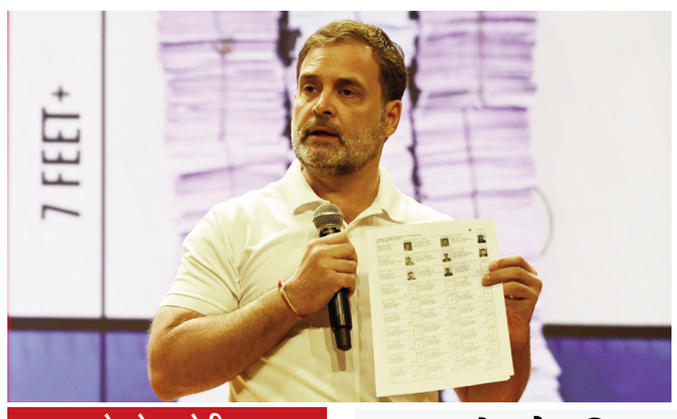

- राहुल ने पांच प्रकार की गड़बड़ियों का किया जिक्र
- महाराष्ट्र में 40 लाख वोट रहस्यमयी तरीके से जोड़े गए

> महाराष्ट्र में सिर्फ 5 महीनों में जितने नए वोटर जोड़े गए, उतने पिछले 5 सालों में भी नहीं जोड़े गए थे: राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

5 तरह से वोट चोरी का दावा

- डुप्लीकेट वोटर्स: 11,965
- फेक एड्रेस: 40,009 वोटर्स
- एक पते पर 80 और 46 वोटर
- अवैध फोटो: 4132 वोटर्स
- फॉर्म 6 का गलत इस्तेमाल

भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं पर हमला बताया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव आयोग पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी पर गुरुवार को निशाना साधते हुए इसे अमर्यादित और देश की संवैधानिक संस्थाओं पर हमला बताया हैं। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री गांधी हताशा में देश की संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ बयान दे रहे हैं। उन्होंने श्री गांधी की आयोग के अधिकारियों के संबंध में टिप्पणियों को लोकतंत्र पर आघात बताया।

चुनाव आयोग ने कहा, राहुल शपथ पत्र दें

कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने राहुल गांधी को पत्र लिखा है। कहा कि निर्वाचन नियमों के तहत, अगर कोई व्यक्ति मतदाता सूची की वैधता पर सवाल उठाता है, तो उसे लिखित में विवरण देना होता है। वे नियम 20(3)(बी) के तहत शपथपत्र पर हस्ताक्षर कर ऐसे मतदाताओं के नाम उपलब्ध कराएं, ताकि उनके दावों की जांच की जा सके।

रीडेबल वोटर लिस्ट देने से इनकार

नेता प्रतिपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि आयोग ने मशीन-रीडेबल वोटर लिस्ट देने से इनकार कर दिया। अगर हमारे पास सॉफ्ट कॉपी होती, तो हम पूरे डेटा को 30 सेकंड में एनालाइज कर सकते थे। लेकिन हमें कागज के सात-फुट लंबे बंडल मिले, जिन्हें पढ़ने और मिलाने में छह महीने लगे। सिर्फ एक विधानसभा सीट के लिए 30-40 लोगों की टीम ने दिन-रात काम किया। उन्होंने सवाल खड़े किए कि ईसी जानबूझकर ऐसा डेटा देता है, जिसे स्कैन कर पढ़ा न जा सके। ईसी ने सीसीटीवी फुटेज तक पहुंचने के नियम बदल दिए। इसके साथ ही चुनाव आयोग डिजिटल डेटा देने से इनकार करता है। ये सब इसलिए किया जा रहा है ताकि कोई जांच न कर सके। राहुल ने कहा कि कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 1,00,250 वोटों की हेराफेरी हुई। राहुल ने कहा कि जनता को पारदर्शिता का पूरा अधिकार है और चुनाव से जुड़ा कोई भी रिकॉर्ड नष्ट नहीं किया जाना चाहिए। कांग्रेस की टीम पूरे सिस्टम को समझ चुकी है और जनता के सामने सच लाकर रहेगी।

40 हजार ऐसे वोटर जिनके पते शून्य

राहुल ने कहा, ऐसे 40 हजार वोटर हैं जिनके पते शून्य है या फिर है ही नहीं। अलग-अलग नाम और अलग-अलग परिवार के लोग और जब हम वहां जाते हैं तो पता चलता है कि वहां कोई रहता ही नहीं है। आयोग के मुताबिक इन पतों पर कई लोग रहते हैं। वोटर लिस्ट में कई लोगों की तस्वीरे नहीं हैं और अगर है भी तो ऐसी हैं जिन्हें देखकर मतदाताओं की पहचान ही नहीं हो सकती।

भारत को ब्लैकमेल कर रहा अमेरिका : पवन खेड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। टैरिफ मामले में भी कांग्रेस अमेरिका पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाने का आदेश दिया। इसे लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि हम ऐसी स्थिति में आ गए कि अमेरिका हमें ब्लैकमेल कर रहा है। भारत कभी भी इस तरह की ब्लैकमेलिंग के आगे नहीं झुका है। इंदिरा गांधी के दौर को याद करना चाहिए और प्रधानमंत्री मोदी को उससे कुछ सीखना चाहिए। पिछले 11 साल में पीएम मोदी ने अपनी छवि के आगे देश के हितों को कम माना है। हालांकि, हम उम्मीद करते हैं कि पीएम मोदी इस बार हिम्मत दिखाते हुए मजबूती से देश के हितों को सामने रखकर बात करेंगे।

इससे पहले व्हाइट हाउस ने कहा कि भारत से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाने का यह कदम यूक्रेन युद्ध के चलते रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को और प्रभावी बनाने की दिशा में उठाया गया है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी, जिसे अब आधिकारिक रूप से लागू किया जा रहा है। अमेरिकी टैरिफ पर विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाना दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगा। जायसवाल ने कहा कि अमेरिका ने हाल के दिनों में रूस से भारत के तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि हमारे आयात मार्केट फैक्टर पर आधारित हैं और भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के समग्र उद्देश्य से किए जाते हैं।

ट्रंप की टैरिफ धमकियों के बीच रुस पहुंचे डोभाल

भारत खरीद सकता है अतिरिक्त एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल बुधवार को रूस की यात्रा पर गए हैं। इस यात्रा में भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने पर बात होगी। इसमें एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की अतिरिक्त खरीद और एसयू-57 लड़ाकू विमानों पर बातचीत शामिल है। ऊर्जा आपूर्ति भी एजेंडे में है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीवन विटकोफ भी मास्को में गए हुए हैं। ट्रंप ने भारत की ओर से रूसी तेल खरीदने पर जो टैरिफ बम फोड़ा है, उसे देखते हुए डोभाल का ये दौरा अहम माना जा रहा है।

डोभाल की रूस यात्रा में रक्षा उद्योग के संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा। भारत अतिरिक्त एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीद सकता है। साथ ही, एस-400 के रखरखाव की सुविधा भारत में करने पर भी बात हो सकती है। रूस के एसयू-57 लड़ाकू विमानों को खरीदने के विकल्पों पर भी विचार हो सकता है। एस-400 प्रणाली ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की सेना को रोकने में अहम भूमिका निभाई थी।

अजित डोभाल की यात्रा से पहले रूस में भारतीय राजदूत विनय कुमार ने रूस के उप रक्षा मंत्री कर्नल-जनरल अलेक्जेंडर फोमिन से मुलाकात की। डोभाल, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मिल सकते हैं। संयोग से, उसी समय ट्रंप के विशेष दूत स्टीवन विटकोफ भी मास्को में हैं। यह इस साल की शुरूआत से विटकोफ की रूस की पांचवीं यात्रा है।

मीडिया रिपोर्ट में एक रूसी सूत्र ने बताया कि इस दौरान मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा की जाएगी।

अमेरिका वापस न ले फैसला तो भारत भी लगाए 50 प्रतिशत टैरिफ : शशि थरूर

नई दिल्ली। भारत पर अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार को अमेरिका के फैसलों पर जवाब देना चाहिए और भारत की तरफ से 50 प्रतिशत टैरिफ लगाना चाहिए। अमेरिकी टैरिफ के भारत पर असर को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि इसका निश्चित रूप से असर होगा, क्योंकि हमारा उनके साथ 90 अरब डॉलर का व्यापार है। अगर हर चीज 50 प्रतिशत महंगी हो जाएंगी तो खरीदार भी सोचेंगे कि वे भारतीय चीजें क्यों खरीदें? गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि शशि थरूर ने आगे कहा, डोनाल्ड ट्रंप ने 25 प्रतिशत जो टैरिफ बढ़ाया है, वह गलत है।

एक नजर

ईडी ने जीएसटी धोखाधड़ी मामले में कई राज्यों में छापे मारे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 750 करोड़ रुपये के "फर्जी" वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चालान बनाने के मामले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में फिर छापे मारे। सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत तीनों राज्यों में कम से कम एक 12 परिसरों पर छापेमारी की गई। यह मामला झारखंड में मुखौटा कंपनियों और अवैध वित्तीय लेनदेन के माध्यम से 750 करोड़ रुपये के "फर्जी" इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) बनाने से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार, इस मामले की जांच की शुरूआत इसके "मुख्य साजिशकर्ता" शिव कुमार देवड़ा की गिरफ्तारी से हुई। उसे मई 2025 में गिरफ्तार किया गया था और पिछले महीने उसके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया। वर्तमान में की जा रही तलाशी "विश्वसनीय साक्ष्यों" के आधार पर की जा रही है, जो कई व्यक्तियों और कंपनियों की "अपराध से अर्जित आय" के धनशोधन में संलिप्तता को दर्शाती है। इस मामले में ईडी ने पहली बार मई में तलाशी ली थी।

अभी भी खींचे जा रहे हाथ से रिक्शे तत्काल इनकी जगह ई-रिक्शे चलाएं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को माथेरान में छह महीने के भीतर इस हाथ से खींचे जाने वाले रिक्शे बंद करने और इसकी जगह ई-रिक्शा चलाए जाने का निर्देश दिया। राज्य सरकार को निर्देश दिया गया कि वह माथेरान में स्थानीय लोगों को ई-रिक्शा किराए पर देने की संभावना तलाशे, जैसा कि गुजरात के अधिकारियों ने केवडिया में किया था। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा, भारत जैसे विकासशील देश में ऐसी प्रथा की अनुमति देना, जो मानव की गरिमा की मूल अवधारणा के खिलाफ है, सामाजिक और आर्थिक न्याय के संवैधानिक वादों को कमतर करता है। इसके साथ ही पीठ ने माथेरान में हाथ से खींचे जाने वाले रिक्शा पर पूरी तरह से रोक लगाने का आदेश दिया।माथेरान एक पर्वतीय पर्यटन स्थल है जहां काफी संख्या में पर्यटक जाते हैं। गुजरात के केवडिया में सरदार पटेल की सबसे ऊंची प्रतिमा नर्मदा नदी के साधु बेट द्वीप पर स्थित है और अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को ई-रिक्शा किराये पर दिए हैं। पीठ ने आजादी के 78 साल और संविधान लागू होने के 75 साल बाद भी हाथ से खींचे जाने वाले रिक्शा के इस्तेमाल की प्रथा की निंदा की और इसे अमानवीय करार दिया। शीर्ष अदालत ने आजाद रिक्शा चालक संघ बनाम पंजाब राज्य मामले में 45 साल पुराने फैसले का हवाला दिया।

जिसमें कहा गया था कि साइकिल-रिक्शा संविधान की प्रस्तावना में सामाजिक न्याय के संकल्प के अनुरूप नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने दुख जताते हुए कहा, ह्ययह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजाद रिक्शा चालक संघ मामले में इस अदालत द्वारा की गई टिप्पणी के 45 साल बाद भी माथेरान में एक इंसान द्वारा दूसरे इंसान को खींचने की प्रथा अब भी जारी है।

हिमाचल के शिमला में बादल फटा, उत्तर प्रदेश में नदियां उफान पर

दो दिन में 16 की मौत, 360 मकान ढहे, 12 राज्य ऑरेंज अलर्ट पर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई हिस्सों में भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में बुधवार रात 10:15 बजे बादल फटने की घटना ने तबाही ला दी है। नोगली नाले में अचानक आई बाढ़ से आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। उधर, मंडी के दवाड़ा क्षेत्र में चंडीगढ़-मनाली फोरलेन के फ्लाईओवर पर भूस्खलन के चलते दरारें आ गई हैं।

राज्य में अब तक 533 सड़कें बंद हो चुकी हैं, जिनमें मंडी-मनाली और चंडीगढ़-शिमला जैसी मुख्य सड़कें भी शामिल हैं। भारी बारिश और नदियों के उफान के कारण उत्तर प्रदेश में हालात चिंताजनक बने हुए हैं। लगातार बारिश होने से यूपी की नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। प्रयागराज, वाराणसी समेत 24 जिलों के 1,245 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। अब तक 360 मकानों के ढहने और 16 लोगों की मौत होने की पुष्टि हो चुकी है। फरुर्खाबाद के पंखियन गांव में गंगा नदी ने एक मकान को महज 10 सेकंड में निगल लिया। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। काशी के घाट गंगा में समाहित हो गए हैं और लगातार बाढ़ का खतरा बना हुआ है। अयोध्या में सरयू नदी डेंजर लेवल से 2 सेमी ऊपर बह रही है, जिससे 48 गांवों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। बाढ़ और खतरे के वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहे हैं।

बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने गुरुवार को बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल समेत 12 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट और उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश सहित 11 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया है। बहरहाल किसी भी राज्य में रेड अलर्ट घोषित नहीं किया गया है। प्रशासन ने लोगों से निचले इलाकों से दूर रहने और सतर्क रहने की अपील की है। राहत एवं बचाव दल तैनात हैं और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

बिहार में भी गंगा का जलस्तर खतरे के करीब

बिहार में गंगा और सोन नदियों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। पटना सिटी के भद्रघाट और महावीर घाट की सर्विस लेन तक गंगा का पानी 2 फीट तक पहुंच चुका है। राज्य के कई गांव जलमग्न हो चुके हैं।

संसद में एसआईआर पर चर्चा से बचना चाहती है सरकार : गोगोई

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनाव प्रक्रिया पर संसद में चर्चा को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है।

गोगोई ने संसद भवन परिसर में मीडिया से कहा कि सरकार के मंत्री संसद को चुनाव प्रक्रिया को लेकर गुमराह कर रहे हैं। सत्तापक्ष की मंशा केवल चर्चा से बचने की है और इसके लिए तकनीकी तर्कों का सहारा लिया जा रहा है, जो पूरी तरह से गलत है। सरकार यह कहकर बहाना बनाती रही है कि चुनाव आयोग से संबंधित मुद्दों पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं है कि इसका जवाब किस मंत्रालय को देना होगा, लेकिन ऐतिहासिक रूप से संसद के दोनों सदनों में इस विषय पर कई बार चर्चा हुई है।

उन्होंने लोकसभा और राज्यसभा में हुई ऐसी कई चचाओं का हवाला देते हुए कहा कि 2005 में चुनाव सुधार पर दो दिन की लघु अवधि चर्चा हुई थी। वर्ष 1995 में बिहार में चुनाव स्थगन को लेकर चर्चा हुई, 1981 में चुनावी कानूनों की खामियों पर बात हुई थी। वर्ष 1957 और 1979 में भी चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर लघु अवधि चर्चा हुई। उन्होंने राज्यसभा के उदाहरण भी गिनाए, जैसे कि 2019 में चुनाव सुधार पर चर्चा हुई थी और उस समय के कानून मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने उत्तर दिया था।

वर्ष 2015 में एनआरआई को प्रॉक्सी वोटिंग और ई-पोस्टल वोटिंग से जुड़ी चर्चा में सदानंद गौड़ा ने जवाब दिया था। वर्ष 1991, 1981 और 1961 में भी चुनाव प्रक्रिया पर चर्चा हुई और उस समय के कानून मंत्रियों ने जवाब दिया था।

सभी विद्यालयों में जिला स्तरीय पालक-शिक्षक सम्मेलन का किया गया आयोजन

प्रभास मिश्रा

छत्तीसगढ़: रजत जयंती वर्ष 2025-26 के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बतरा, भैयाथान में आयोजित पालक-शिक्षक सम्मेलन में जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले ने सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों के बेहतर भविष्य, शिक्षा की गुणवत्ता सुधार तथा परीक्षा परिणाम को बेहतर बनाने हेतु शिक्षक, बालक एवं पालक की सक्रिय सहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया।

पाटले ने पालकों से अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में पूर्ण रूप से सहभागी बनने की अपील करते हुए कहा कि केवल शिक्षक नहीं, बल्कि पालकों की भूमिका भी बच्चों के सर्वांगीण विकास और अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बच्चों को अनुशासन, आत्मविश्वास और संवाद कौशल से सुसज्जित करना समय की मांग है।

पालकों को किया जागरूक

सीईओ पाटले ने कहा कि शासन ने पालकों और शिक्षकों के बीच संवाद का साझा मंच दिया है, जिसका सभी को भरपूर लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने पालकों को अपने बच्चों की पढ़ाई, दिनचर्या और परफॉर्मेंस पर शिक्षकों से चर्चा करने, मोबाइल एवं नशापान जैसी बुरी आदतों से बच्चों को दूर रखने और उन्हें खेल, संगीत, पेंटिंग जैसी रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने की सलाह दी।जिला पंचायत सीईओ ने पालकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बच्चों के सर्वांगीण

विकास पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता तभी बढ़ सकती है जब शिक्षक, पालक और विद्यार्थी तीनों की सहभागिता सुनिश्चित हो।

पाटले ने पालकों से अपील की कि वे अपने बच्चों के अध्ययन एवं परफॉर्मेंस के संबंध में शिक्षकों से नियमित रूप से संवाद करें। पालक बच्चों की दैनिक दिनचर्या से शिक्षकों को अवगत कराएं ताकि उनके विकास में सामूहिक प्रयास हो सके। बच्चों में आत्मविश्वास का विकास आवश्यक है ताकि वे अपनी पढ़ाई से जुड़ी समस्याएं बेहिचक अपने शिक्षक या माता-पिता से साझा कर सकें।

उन्होंने कहा कि आज के दौर में मोबाइल और नशे जैसी बुरी आदतों की ओर बच्चों का झुकाव बढ़ता जा रहा है, जिससे उन्हें बचाना अभिभावकों और शिक्षकों की जिम्मेदारी है। इसके लिए बच्चों को खेलकूद, संगीत, पेंटिंग एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाना चाहिए ताकि वे मल्टीटैलेंटेड बन सकें।उन्होंने पालकों से आग्रह किया कि वे बच्चों के खेलने-पढ़ने का समय सुनिश्चित करें और उन्हें टाइम टेबल बनाकर पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षकों को निर्देश

उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे बच्चों को पूरी क्षमता से पढ़ाएं और परीक्षा परिणाम पर नियमित चर्चा करते हुए उनकी कमजोरी एवं उपलब्धियों को चिह्नांकित कर सुधार की दिशा में कार्य करें। सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव से बच्चों को बचाने और इंटरनेट का सकारात्मक उपयोग कराने की भी सलाह दी गई।

नशा मुक्ति की दिलाई शपथ

इस अवसर पर उपस्थित सभी पालकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को नशा मुक्ति के लिए सामूहिक संकल्प भी दिलाया गया। कार्यक्रम में बतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. जे. बी. सिंह ने भी पालकों एवं शिक्षकों को बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और मानसिक विकास के विषय में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने नशे की लत के खतरों से सावधान करते हुए बच्चों को अच्छे संस्कार और स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

बच्चों की प्रतिभा को मिला प्रोत्साहन

सम्मेलन में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के पालकों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही, जिला पंचायत सीईओ ने बच्चों के द्वारा प्रस्तुत विभिन्न प्रोजेक्ट्स और कलाकृतियों का अवलोकन कर उन्हें और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया।

जिले के 241 संकुलों में पालक-शिक्षक बैठक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षक-शिक्षिकाएं, पालकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। समापन पर पाटले ने सभी से अपील की कि वे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षक-पालक समन्वय को सशक्त बनाएं और साझा प्रयास से विद्यालय के परीक्षा परिणाम को उत्कृष्ट बनाएं।

एक नजर

पावी जेतपुर में बैंक की तालाबंदी की चेतावनी, किसानों और खाताधारकों में रोष

खत्री रफाकत इदरीशभाई

गुजरात: छोटा उदेपुर ज़िले के पावी जेतपुर में स्थित पावी जेतपुर कोऑपरेटिव बैंक के खिलाफ आज भारी नाराजगी देखने को मिली। दूध के भुगतान के लिए किसान और आम लोग लंबी कतारों में खड़े होकर थक चुके थे, जिसके चलते लोगों ने बैंक के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। खाताधारकों के प्रतिनिधियों ने बताया कि यदि समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो बैंक में तालाबंदी की जाएगी। इस चेतावनी के बाद स्थानीय प्रशासन और बैंक के उच्च अधिकारी हरकत में आ गए हैं। लोगों का कहना है कि दूध के भुगतान में बार-बार देरी होती है और बैंक की ओर से कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती। अगर समाधान नहीं मिला, तो आंदोलन उग्र रूप ले सकता है, ऐसा भी चेतावनी दी गई है।

पाडलिया गाँव में एसटी बस शुरू, ग्रामीणों में खुशी की लहर

खत्री रफाकत इदरीशभाई

गुजरात: छोटा उदेपुर ज़िले के पाडलिया गाँव में आज खुशी की लहर दौड़ गई जब प्रशासन द्वारा गाँव में एसटी बस सेवा शुरू की गई। ग्रामीणों और विद्यार्थियों को लंबे समय से आवागमन में कठिनाई हो रही थी, लेकिन प्रशासन ने लोगों की मांग को ध्यान में लेते हुए अंततः यह बस सेवा शुरू की। जैसे ही बस गाँव में पहुँची, ग्रामीणों ने फूलों की माला पहनाकर ड्राइवर और कंडक्टर का जोरदार स्वागत किया। पूरा गाँव उत्साह के साथ इस बस के आगमन का स्वागत करता नजर आया। ग्रामीणों ने प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि हम वर्षों से यह माँग कर रहे थे, और आज आखिरकार हमारी सुनवाई हुई।

एकल की बहनों ने पुलिसकर्मियों को बांधे रक्षा सूत्र

प्रभात शर्मा/छत्तीसगढ़: एकल विद्यालय संघ के बहनों द्वारा शुक्रवार को करंजी चौकी परिसर में पुलिसकर्मियों के साथ रक्षाबंधन पर्व हर्षोउल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर चौकी प्रभारी करंजी संतोष सिंह सहित अन्य पुलिस कर्मियों को परंपरागत तरीके से तिलक लगाकर राखी बांधी और उनसे सुरक्षा का संकल्प लिया। भावनात्मक माहौल में पुलिस कर्मियों ने भी सुरक्षा का वचन देते हुए भरोसा दिलाया। करंजी पुलिस सदैव उनके सामान और सुरक्षा के लिए तात्पर्य रहेगी। रक्षाबंधन जैसे संस्कृती आयोजनों से पुलिस और समाज के बीच विश्वास और आत्मीयता का संबंध और मजबूत होता है। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने कहा कि हम अपने घर-परिवार से दूर सरकारी सेवा में हैं। इस कारण अपनी बहनों के साथ त्योहार नहीं मना पाते है आज बहनों ने रक्षा सूत्र बांधकर कलाई को सूना रहने से बचा लिया। देश की सेवा में निरंतर कार्य करने वाले अधिकारियों की कलाई सूनी न रहें, इसलिए एकल की बहनें रखी बांधती हैं। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य सत्यनारायण जायसवाल उपस्थित रहे।

अचानक एक बस में आग लगने से मची अफरा-तफरी

खत्री रफाकत इदरीशभाई

गुजरात: छोटा उदेपुर एसटी डिपो पर आज अचानक एक बस में आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग की लपटें और धुआं देखकर यात्रियों में भय और घबराहट फैल गई। तत्काल छोटा उदेपुर फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। लेकिन बाद में पता चला कि यह पूरी घटना एक मॉक ड्रिल थी झ आग लगने और बचाव कार्य की अभ्यासात्मक कवायद। फायर विभाग द्वारा एक सफल मॉडल मॉक ड्रील आयोजित की गई थी, जिसमें एसटी कर्मचारियों को आपात स्थिति में क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए, इस बारे में मार्गदर्शन दिया गया। धुएं और त्वरित कार्रवाई को देखकर सभी ने इसे वास्तविक घटना मान लिया, लेकिन अंत में जब यह सामने आया कि यह सुरक्षा प्रशिक्षण का हिस्सा था, तो प्रशासन और यात्रियों ने राहत की सांस ली। मुख्य उद्देश्यः आग लगने पर जान कैसे बचाई जाए, इसकी ट्रेनिंग देना और तंत्र की तत्परता की परीक्षा लेना। ऐसी पहल को यात्रियों की सुरक्षा के लिए एक सकारात्मक कदम कहा जा सकता है।

भारत अब अपनी निकास पर 25% टैरिफ लगाएगा

दीवान फरुक्शा महबूबशा

गुजरात: प्रधान मंत्री मोदी ने कहा लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं, भारत किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगाः मोदी का ट्रंप को सीधा जवाब

आज से भारत से अमेरिका जाने वाले सामान पर 25% टैरिफ लगेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि हमारे किसानों का कल्याण हमारी पहली प्राथमिकता है।

वह अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाइयों और बहनों के हितों के साथ कभी समझौता नहीं करेगा।

मुझे पता है कि मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूँ।आज भारत मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशुपालकों के लिए तैयार है।

भारत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध के आगे नहीं झुकेगा, भारत अपने किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीधे तौर पर ट्रंप को यह संदेश दे दिया है।

पीएम मोदी के इस बयान को ट्रंप के टैरिफ दोगुना करने के ऐलान से जोड़कर देखा जा रहा है। आज से, यानी 7 अगस्त से, भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामान पर 25% टैरिफ लग जाएगा। 25% का अतिरिक्त टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। इससे अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान महंगा हो जाएगा। इसकी माँग घट सकती है। वहाँ के आयातक दूसरे देशों से सामान मँगवा सकते हैं।

भारत पर हमले के लिए ये अच्छा मौका

आसिम मुनीर से निकला शमा परवीन का कनेक्शन, गुजरात एटीएस भी हैरान

सौरभ पांडे

उत्तर प्रदेश: गुजरात एटीएस ने पिछले दिनों अल-कायदा के आनलाइन टेरर माड्यूल का भंडाभोड़ करते हुए पांच आतंकियों को गिरफ्तार किया था,इसमें बेंगलुरु से पकड़ी गई अल-कायदा के एजेंडे को बढ़ावा देने के आरोप में शमा परवीन शामिल है। एटीएस द्वारा शमा परवीन के इंटरनेट मीडिया अकाउंट की जांच जारी है। जांच में एटीएस को ऐसी पोस्ट मिली है, जिससे शमा परवीन का आसिम मुनीर से कनेक्शन सामने आया है।

उगल रही थी भारत के खिलाफ जहर

एटीएस के अनुसार शमा परवीन ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इंटरनेट मीडिया पर लगातार भारत के खिलाफ जहर फैला रही थी।वह मुनीर से ऑपरेशन सिंदूर

के दौरान भारत पर आक्रमण करने की अपील की थी। उसने कहा था कि अब समय आ गया है जब पाकिस्तान को भारत में खिलाफत परियोजना को लागू करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए।

गुजरात एटीएस ने किया था गिरफ्तार

शमा परवीन को 29 जुलाई को भारत में अल-कायदा को फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।गुजरात एटीएस को शमा परवीन के कई ऐसी पोस्ट मिली हैं,जिसमें पाकिस्तान का खुला समर्थन और भारत के खिलाफ नफरत भरे संदेश शामिल हैं।

आसिम मुनीर से निकला कनेक्शन

शमा का बयान भारत की संप्रभुता और लोकतांत्रिक ढांचे पर सीधा हमला था।एटीएस की जांच में पता चला है कि शमा ने आसिम मुनीर के हिंसक भाषण भी साझा की थी। शमा परवीन मूलरूप से झारखंड की रहने वाली है।

युवाओं को कट्टरपंथी बना रही थी शमा

शमा परवीन इंटरनेट मीडिया के जरिए युवाओं को कट्टरपंथी बना रही थी और अल-कायदा के भारतीय उपमहाद्वीप (एक्यूआइएस) के लिए भर्ती करने में अहम भूमिका निभा रही थी। 30 वर्षीय शमा परवीन मूल रूप से झारखंड की रहने वाली है और बेंगलुरु के हेब्बल इलाके में अपने भाई के साथ रहती थी। फिलहाल पूछताछ के लिए शमा को एटीएस की हिरासत में रखा गया है।

नवपंचम राजयोग बदलेगा पांच राशियों का भाग्य

राजपूत रणजीत

गुजरात: नवपंचम राजयोग बदलेगा पांच राशियों का भाग्य, मेष-मीन राशि वालों को साढ़े साती से मिलेगी थोड़ी राहत। रक्षाबंधन पर सूर्य और शनि का दुर्लभ संयोग

` नवपंचम राजयोग बदलेगा पांच राशियों का भाग्य, मेष और मीन

राशि वालों को साढ़े साती से मिलेगी थोड़ी राहत

देशभर में रक्षाबंधन का त्योहार शनिवार, 9 अगस्त को मनाया जाएगा। रक्षाबंधन श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है और इस दिन एक महत्वपूर्ण ज्योतिषीय घटना भी घटने वाली है। इस दिन ग्रहों के राजा सूर्य और न्याय के देवता शनि एक अद्भुत योग बनाएंगे। ज्योतिष के अनुसार, रक्षाबंधन के दिन सूर्य और शनि एक दूसरे से नौवें और पांचवें स्थान पर विराजमान होंगे, जिससे नवपंचम राजयोग बन रहा है।

थर्मल पावर प्लांट की घटना पोकलेन के पंजे मे आने से युवक की मौत, परिजनों एवं ग्रामीणों ने मुख्य गेट पर दिया धरना

राधेश्याम गुर्जर

मध्य प्रदेश: समीप निर्मित संत सिंगाजी ताप परियोजना के राखड़ तालाब पर बुधवार रात करीब 10:00 बजे के आसपास एक दर्दनाक हादसा हो गया जिसमें ग्राम गोराड़िया निवासी एक 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई घटना के बाद समूचे क्षेत्र में मातम छा गया। मृतक युवक डंपर का हेल्पर था। जो विगत दो-तीन वर्ष से परियोजना क्षेत्र में चलने वाले डंपरो पर हेल्पर का काम करता था।

बताया जाता है कि घटना उस वक्त हुई जब परियोजना से सटे ही बना राखड़ तालाब मे पोकलेन की मदद से डंपरों में राखड़ भरी जा रही थी इसी दौरान मृतक युवक पोकलेन के पंजे की चपेट मे आ गया जिससे उसके शरीर से सर एवं हाथ अलग हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार डंपर हेल्पर लखन उर्फ भूपेंद्र राजपूत उम्र 28 साल निवासी ग्राम गोराडिया की पोकलेन मशीन के पंजे में आने से मौत हो गई। घटना के बाद मृतक युवक का धड रात में ही मिल गया था जबकि युवक का सिर एवं हाथ अगले दिन गुरुवार सुबह 12 घंटे बाद डॉग स्क्वायड की मदद लेने के बाद मिला।

अंधेरा होने की वजह से हुई घटना--

घटना के वक्त मृतक युवक लखन उर्फ भूपेंद्र डंपर के पास ही मौजूद था और अनुमान लगाया जा रहा है कि अंधेरा होने के चलते पोकलेन ऑपरेटर एवं मृतक लखन खुद देख नहीं पाए जिसके चलते पोकलेन का पंजा लखन की गर्दन से जा टकराया जिससे उसके धड़ से शरीर शहर अलग गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि पुलिस समूचे मामले की बारीकी से जांच कर रही है।वही घटना की जानकारी मिलते ही मुंदी टीआई राजेंद्र नरवरिया एवं बीड चौकी प्रभारी तत्परता से घटना स्थल पर पहुंचें। घटना के दौरान वहां मौजूद अन्य डंपर के ड्राइवर ने समुचे मामले की बीड प्रभारी चौकी को सूचना दी उसके बाद बीड चौकी प्रभारी राधेश्याम मालवीय मौके पर पहुंचे।

परिजनों को आर्थिक मदद व नौकरी-

गुरुवार को मृतक के परिजन वह ग्रामीणो ने बड़ी संख्या में मेंन गेट पहुंचे और आक्रोश जताते हुए धरना आंदोलन किया जो की दोपहर तक चला धरने पर पूर्व विधायक राज नारायण सिंह कांग्रेस जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र सिंह चौहान कांग्रेस नेता उत्तम पाल सिंह सरपंच प्रतिनिधि मुकेश सावनेर ने संत सिंगाजी प्रबंधन पर लापरवाही होने की वजह से हादसे को कारण बताते आक्रोश जाहिर किया वही मृतक के शव को जिला अस्पताल पीएम के लिए भेज दिया गया।

गुरुवार को संत सिंगाजी ताप परियोजना मेंन गेट पर प्रदर्शन कर रहे हैं परिजनों वह ग्रामीणों ने हादसे की मुख्य वजह प्रतिदिन राखड़ बांध व साइलो से ओवरलोडिंग राखड भरना बताया जिससे कहीं बीते दिनों में कई बेकसूर लोगों की जाने गई है क्षमता से अधिक राखड के डंपर ओवरलोड होकर चल रहे हैं भविष्य में ऐसी घटना ना हो इसके लिए थोड़े से कड़े कदम उठाने की मांग मौके पर परिजनों ने साथ है ग्रामीणों व पूर्व विधायक राजनारायण सिंह उत्तमपाल सिंह व जितेंद्र सिंह चौहान जिला पंचायत सदस्य मुख्य अभियंता एस के मालवीय वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी कैएस कुशराम टीआई राजेंद्रनरवरिया बीड चौकी प्रभारी राधेश्याम मालवीय सहित अन्य अधिकारीयो मौजुदगी मे परिजनों को ?200000 नगद की राशि 20 लाख का चेक 10 दिन बाद देने की सहमति बनी`

घटनाक्रम की पुलिस कर रही जांच--

गुरुवार को खंडवा बीड़ मुंदी पुलिस के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे फोरेंसिक एक्सपर्ट व डाग की टीम भी मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच की जा रही है। शव पोस्टमार्टम डॉक्टर की टीम करने के बाद शव? परिजनों को सौंपा।

परिजनों का कहना हत्या हुई-----

मृतक लखन लाल के जीजा उमाशंकर सिसोदिया ने बताया कि मेरा साला लखन कुछ साल पहले सिंह का जवाब प्लांट में काम करता था घर में अकेला कमाने वाला था बहुत मेहनती था रात करीब 12:00 बजे परिवार के एक सेल ने मुझे फोन लगाया कि लखन की सारी घटना हुई है मैं उसे जिला से भेजा जा रहा है मैं रात में अपने गांव जिला में लाया गया मैं शॉप को देखा मुझे लगता कि यह कोई हादसा यह बहुत बड़ी साजिश है परिवार को नहीं चाहिए हम निष्पक्ष आज की मांग करते हैं ।

इनका कहना है।

राखड़ बांध से रात्रि में राखड रोड कर नहीं भरी जाएगी वहीं क्षमता अनुसार राखड भरने के निर्देश दिए। वहीं घटना में मृतक के परिजनों को मौके पर दो लाख रुपए परिवार में नौकरी व दस दिन में बीस लाख का चेक संबंधित कंपनी द्वारा दिया जाएगा।

कलेक्टर का ऐलान फार्मर रजिस्ट्री को दें गति, वृहद स्तर पर कराये प्रचार-प्रसार

प्रभास मिश्रा

छत्तीसगढ़: वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कनेक्ट होकर कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने ली समय-सीमा की बैठक। जिसमें उन्होंने संबंधितों से फार्मर रजिस्ट्री के प्रगति के संबंध में अद्यतन जानकारी प्राप्त की। उन्होने स्पष्ट किया की जिले के किसानों को एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत करने हेतु कृषि व उससे संबंध विभाग तथा राजस्व विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर कैलेंडर आधारित योजना बनाकर पंजीयन में गति लाये। जनसेवा केंद्र संचालक, लेखापाल व ग्राम प्रधानों के सहयोग से पंजीयन के संबंध में ज्यादा से ज्यादा प्रचार - प्रसार किया जाये। राजस्व अधिकारी अधिक से अधिक प्रचार हेतु पंचायत स्तर पर फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में मुनादी कराना सुनिश्चित करें। पंजीकरण कराने से कृषि संबंधित योजनाओं से कृषक बंधु लाभान्वित होंगे, प्रचार के दौरान इस बात पर विशेष बल दिया जाये।

फॉर्मर रजिस्ट्री के लिए किसान अपना आधार कार्ड तथा जमीन का डिटेल लेकर पहले कृषि समन्वयक के पास जाएंगे, जहां उनका ई-केवाईसी होगा। इसके बाद राजस्व कर्मचारी के लॉगिन आईडी पर उनका डिटेल अपलोड किया जायेगा। इसके बाद किसानों का 16 अंकों का फॉर्मर रजिस्ट्री आईडी जेनरेट होगा। इसका उद्देश्य किसानों के जमीन संबंधी विवरण को उनके फार्मर आइडी से जोड़ना है। फार्मर रजिस्ट्री यह सुनिश्चित करने में सहायता करती है कि सरकारी योजनाओं का लाभ सही लाभुकों तक कुशलतापूर्वक पहुंचे। रजिस्ट्री न केवल पारदर्शिता बढ़ाती है, बल्कि कृषि से संबंधित योजनाओं में सब्सिडी, बीमा और अन्य लाभों के वितरण को भी व्यवस्थित करती है।

बैठक में स्वतंत्रता दिवस के तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई। जिसमें कार्यक्रम की रूप रेखा व फाइन फुल ड्रेस रिहर्सल को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इसके साथ ही स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम हेतु जिन-जिन विभागों को जो दायित्व सौंपा गया है, उन्हे निर्धारित समय सीमा पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।

बैठक में विभागवार समय सीमा के लंबित प्रकरण, जनदर्शन, पीएम पोर्टल इत्यादि में प्राप्त शिकायतों पर विस्तार से समीक्षा की गई और सभी संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ समय सीमा में आवेदनों के निराकरण करने के निर्देश दिए गये।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, सर्व एसडीएम व जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

थाना कालांवाली पुलिस ने मादक पदार्थ के अधिक सेवन से हुई मौत के मामले में आरोपी को किया काबू

महिपाल सिंह

हरियाणा: डबवाली पुलिस द्वारा क्षेत्र में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान में थाना कालांवाली पुलिस ने मादक पदार्थ के अधिक सेवन से हुई मौत के मामले में कार्यवाही करते हुए जगपाल सिंह उर्फ बैली पुत्र गुरलाल निवासी जगमालवाली को काबू करने में कामयाबी हासिल की है।

इस मामले में विस्तृत जानकारी देते हुए प्रभारी थाना कालांवाली पीएसआई सुनील कुमार ने बताया कि दिनांक 28.05.2025 को धरमा सिंह पुत्र मलकीत सिंह निवासी जगमालवाली ने अपने बयान में बताया कि दिनांक 26.05.2025 को उसका भाई कर्म सिंह उर्फ काला उसके चाचा के लड़के को गांव की फिरनी पर बेसुध हालत में मिला। जो उसने अपने भाई को कालांवाली ले कर गया, जहां से उसे सिरसा व उसके बाद अग्रोहा रेफर कर दिया । जो अग्रोहा जाते समय उसके भाई की मौत हो जाने पर थाना कालांवाली में अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जो जांच के दौरान एएसआई रामचन्द्र ने अपने महत्वपूर्ण सुराग जुटाते हुए आरोपी जगपाल उर्फ बैली को गिरफ्तार कर लिया। जो आरोपी को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लेकर मामले की गहनता से जांच की जाएगी।

एक नजर

कार में लदे 3 शराब हालोल से जब्त, एएसओएस में अपराध दर्ज

राजपूत रणजीत/गुजरात: कार में लदे 3 शराब हालोल से जब्त, एएसओएस में अपराध दर्ज; वीडियो उच्चाधिकारियों तक पहुंचने के बाद जांच शुरू वडोदरा में पुलिस ने जब्त की 300 पेटी शराब: 3 कारों में लादकर ले गए, हलोल से शराब जब्त कर अरडख में मामला दर्ज

जारोड पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर वडोदरा-हालोल मार्ग पर आसोज गाँव के पास एक कंटेनर ट्रक में 39.65 लाख रुपये मूल्य की भारी मात्रा में शराब और अन्य कीमती सामान लादकर लाया जा रहा था, जिसके साथ 59.85 लाख रुपये का कीमती सामान भी जब्त किया गया। पुलिस ने इस अपराध में कंटेनर चालक समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री आवास योजना की विभिन्न योजनाओं में रिक्त आवासों का आवंटन

राजपूत रणजीत/गुजरात: मुख्यमंत्री आवास योजना की विभिन्न योजनाओं में रिक्त आवासों का आवंटन ड्रॉ के माध्यम से किया जाएगा, 6 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले आवेदन कर सकेंगे।अहमदाबाद में 11 लाख में 1 इलड पाने का मौका: मुख्यमंत्री आवास योजना की विभिन्न योजनाओं में खाली पड़े मकान ड्रॉ के जरिए दिए जाएंगे, 6 लाख तक की सालाना आय वाले लोग कर सकेंगे आवेदन

अगर आपकी आय 6 लाख रुपये तक है और आप अहमदाबाद में 1 इलड फ्लैट खरीद सकते हैं, तो अहमदाबाद शहर की मुख्यमंत्री आवास योजना की विभिन्न योजनाओं में 553 1 इलड फ्लैट ड्रॉ के माध्यम से दिए जाने की घोषणा की गई है। इसके लिए फॉर्म भरने की प्रक्रिया अभी चल रही है। आवेदक अहमदाबाद नगर निगम की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

पत्नी को सरकारी परीक्षा पास कराने के लिए केंद्र पहुंचे

राजपूत रणजीत/गुजरात: पत्नी को सरकारी परीक्षा पास कराने के लिए केंद्र पहुंचे, विश्वविद्यालय में एमएसडब्ल्यू कोर्स बंद होने के बाद संस्थान में अपनी उड़ान शुरू की। श्वेताल सुतारिया ने एक नहीं, दो प्रोफेसरों से मांगे 75-75 लाख; पत्नी को सरकारी परीक्षा पास कराने पहुंचा सेंटर, यूनिवर्सिटी में टरह कोर्स बंद होने पर उड़ान इंस्टीट्यूट में शुरू कराई पढ़ाई। गुजरात विश्वविद्यालय में सरकार द्वारा नियुक्त सिंडिकेट सदस्य और अइशढ कोषाध्यक्ष श्वेतल सुतारिया ने विश्वविद्यालय के लफ्छ्ठ (मानव संसाधन विकास केंद्र) के निदेशक को धमकी देकर 75 लाख रुपये की मांग की थी। हालाँकि, गुजरात विश्वविद्यालय में शिकायत दर्ज होने के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया। इसके बाद श्वेतल सुतारिया से इस्तीफा ले लिया गया है।

बोडेली के खत्री विद्यालय में संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया

खत्री रफाकत इदरीशभाई

गुजरात: दिनांक 7 अगस्त 2025 को खत्री विद्यालय में संस्कृत दिवस मनाया गया, जिसमें विद्यालय की छात्राओं ने संस्कृत में गीत, संस्कृत में कहानी, संस्कृत में परिचय प्रस्तुत किया। साथ ही वकृत्व प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता और श्लोक गायन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने संस्कृत भाषा के प्रति अपना प्रेम प्रकट किया।

विद्यालय के संस्कृत विषय के शिक्षक एम. ए. राठवा ने संस्कृत भाषा का महत्व समझाते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति की आधारशिला है। यही वह भाषा है जिसमें वेद, उपनिषद और भगवद्गीता जैसे पवित्र ग्रंथों की रचना हुई है। संस्कृत वह भाषा है जो वाणी को शुद्ध करती है और विचारों को ऊँचाई देती है।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य यू. वाय. तपला द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया और छात्रों को अधिक से अधिक संस्कृत भाषा सीखने और समझने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

रक्षा बंधन पर महिलाओं को मिला तोफहा, हरियाणा रोडवेज में बिना पैसे की होगी यात्रा

राम मेहर

हरियाणा: हरियाणा के हिसार जिले के हांसी शहर से ताजा खबर

हांसी शहर में सामान्य बस डिपो से आज 12 बजे 8 अगस्त से 9 अगस्त तक

सभी बहनों हरियाणा रोडवेज में बिना पैसे की यात्रा कर पाएंगे

15 साल के बच्चे भी यात्रा कर पाएंगे किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा

रक्षाबंधन का त्योहार साल में एक बार आता है यह यह त्यौहार भाई व बहन के रिश्ते का पवित्र त्यौहार है

बस स्टैंड के कर्मचारियों से बात की मनजीत कुमार हरियाणा रोडवेज कर्मचारी महासंघ एक हजार 4 संघ संबंधित डिपो प्रधान ने बताया कि हांसी डिपो से

75 बसे सेवा प्रदान करने में लगीं हैं

65 बसे ग्रामीण क्षेत्र में सेवा पहुंचा रही है

10बसे अंतर्राष्ट्रीय चंडीगढ दिल्ली बालाजी आदि तक सुविधाएं में लगी है

हरियाणा रोडवेज का पूरा स्टाफ देखरेख में लगा हुआ है बस काउंटर पर अच्छी तरह से देख कर रहे व बच्चों का विशेष ध्यान दें रहे हो

ताकि कोई बच्चा अपनी परिवार से ना बिछड़ सके

भगत सिंह खेल अकादमी निजामाबाद में मासिक बैठक संपन्न

अमरजीत यादव

उत्तर प्रदेश: आधुनिक सुविधाओं एवं संसाधनों के अभाव में दर-दर भटक रहे ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी आज दिनांक 7 अगस्त 2025 दिन गुरुवार को बाबू केदारनाथ स्मारक जन सेवा संस्थान द्वारा संचालित भगत सिंह खेल अकादमी निजामाबाद के प्रांगण में संस्था के सदस्यों की बैठक राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव के नेतृत्व में संपन्न हुई बैठक में खेल अकादमी में आने वाली समस्याओं तथा खेल के बिकास एवं खिलाड़ियों को सुविधा एवं संसाधनों के अभाव के कारण होने वाली समस्याओं पर चर्चा करते हुए अमरजीत यादव ने कहा कि हमारे देश व प्रदेश में सारी योजनाएं सिर्फ कागजों न्यूज चैनलों और भाषणों में ही आती है इसे धरातल पर उतारने का कोई भी प्रवंध सरकार के पास नहीं है और उसी तरह की क्षेत्र की जनता भी है जो कभी भी जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों से सवाल और जवाब भी नहीं करती ऐसी स्थिति में पूरे देश में खेल एवं शिक्षा व्यवस्था वर्वाद हो गई है जिसकी जिम्मेदारी सरकार के साथ ही हर नागरिक को लेनी पड़ेगी राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव ने कहा कि अगर हमारे देश का कोई खिलाड़ी ओलंपिक से मेडल लेकर आता है तो उनको करोड़ों करोड़ रुपए दिए जाते हैं लेकिन खिलाड़ी बनना कैसे हैं इस पर न तो कभी बिचार होता है और न ही इस पर काम हो पाता है क्योंकि हमारे देश की लगभग 85 प्रतिशत आवादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती हैं और नेता मंत्री और जिम्मेदार केवल शहरों में फोटो खिंचवाकर चले जाते हैं जब तक इनकार वृत्तियां में सुधार नहीं आएगा तब तक हमारे देश की व्यवस्था इसी तरह बर्बाद होती रहेगी अगर ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को समय से ही आवश्यक सुविधा एवं संसाधन उपलब्ध कराया जाए तो राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक स्तर से मेडल आना बहुत बड़ी बात नहीं होगी इसके लिए जमीन पर चलकर संघर्ष करना होगा ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी आपसी चंदा लगाकर जो भी खेल उपकरण एकत्रित कर अपनी खेल कला को प्रदर्शित करने का प्रयास करते हैं वह खेल की दिशा में रास्ता दिखा सकता है लेकिन एक बेहतर खिलाड़ी बनने के लिए यह व्यवस्थाएं पर्याप्त नहीं हो सकती है इस अवसर पर ग्राम प्रधान हंसराज यादव डॉ आदित्य चंद्र देव संतोष रामप्रवेश मिथिलेश चंद्रशेखर आर्यन दिनेश प्रजापति राहुल तथा अन्य सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा के जिलाध्यक्ष राजकुमार सिंह के चाचा का निधन

विकाश कुमार

उत्तर प्रदेश: गाजीपुर जिले में शुक्रवार सुबह एक दुखःद समाचार ने सभी को शोकाकुल कर दिया।अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा के जिलाध्यक्ष राजकुमार सिंह के चाचा पुरुषोत्तम सिंह का आज दिनांक-08अगस्त 2025 सुबह लगभग 8:30 बजे लंबी बीमारी के बाद आकस्मिक निधन हो गया।

उनके निधन की खबर सुनते ही परिवार,मित्रों और परिचितों में गहरा दुःख फैल गया।

जानकारी के अनुसार पुरुषोत्तम सिंह लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे, लेकिन अपनी बीमारी के बावजूद वे परिवार और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन लगातार करते रहे।

"राजकुमार सिंह ने भावुक होते हुए कहा, चाचा ने हमें अपना अंतिम आशीर्वाद देकर गोकुलवासी हो गए"। उन्होंने जीवन भर पूरे परिवार का पालन-पोषण किया,हर सुख-दुख में साथ खड़े रहे और हमें हमेशा हौसला देते रहे। कभी भी हमें किसी चीज की कमी महसूस नहीं होने दी। बचपन से हम उनकी गोद में खेलते हुए बड़े हुए और आज उनका हमारे बीच न होना अपूरणीय क्षति है।

पुरुषोत्तम सिंह का व्यक्तित्व सरल, मृदुभाषी और सेवा भाव से ओत-प्रोत था। वे न केवल अपने परिवार बल्कि पड़ोस और गांव में भी एक मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत माने जाते थे। उनके घर पर सुबह से ही शोक संवेदनाएं व्यक्त करने वालों का तांता लगा हुआ है। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा के कई पदाधिकारियों और सामाजिक कार्यकताओं ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुवे दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की ।

परिवार के अनुसार,अंतिम संस्कार शनिवार की सुबह 9:00 बजे शहर के श्मशान घाट पर किया जाएगा,जहां परिजन,रिश्तेदार और शुभचिंतक उन्हें अंतिम विदाई देंगे।

चुनार क्षेत्र के लोग बाढ़ समस्या से परेशान, अजय कुमार ने करी मदद

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेश: मिजार्पुर जनपद में चुनार क्षेत्र इन दिनों भयंकर बाढ़ के चपेट में है। विगत दो तीन दिनों से चुनार क्षेत्र के ग्रामीण पशु पक्षी बेहाल है।

बाढ़ पीड़ितों के समस्या को देखते हुए मिजार्पुर जनपद के युवा उद्यमी एवं शहनाई कंट्रक्शन रामपुर सक्तेसगढ़ के प्रोपराइटर तथा समाजसेवी अजय कुमार सिंह उर्फ छोटू पटेल जी के द्वारा बाढ़ पीड़ितों हेतु गठित शहनाई टीम के सदस्यों द्वारा मेडिया , बगहा, खैरा, धनंनुपुर, भरेठा, जैसे विभिन्न गांवों में हजारों से अधिक बाढ़ पीड़ितों में ड्राई फूड, लंच पैकेट का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम टीम के द्वारा निरंतर जारी रहेगा। टीम में अजय कुमार सिंह उर्फ शुगु, अजय कुमार सिंह, सत्येंद्र कुमार सिंह, मनीष पटेल, पीयूष पटेल, गोलू बगहा सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली में पालक-शिक्षक सम्मेलन का किया गया आयोजन

प्रभास मिश्रा

छत्तीसगढ़: शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली में शासन के निदेर्शानुसार पालक-शिक्षक सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानपाठक बी.आर. हितकर ने की। उन्होंने चर्चा के दौरान विद्यार्थियों की पढ़ाई में घर के वातावरण को बेहतर बनाने, बच्चों की समझ और हिचक को दूर करने, प्रगति परीक्षा परिणाम की समीक्षा, तथा बस्तारहित शनिवार को गतिविधि आधारित शिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण, भूषण की जानकारी, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र से संबंधित सामान्य समस्याओं के समाधान की दिशा में भी मार्गदर्शन दिया गया।

शिक्षक योगेश साहू ने न्योता भोज के आयोजन की जानकारी एवं न्योतभोज देने हेतु प्रोत्साहित किया तथा पालकों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, छात्रवृत्तियों और विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की। उन्होंने पीओसीएसओ एक्ट 2012 के तहत बाल संरक्षण कानून की जानकारी दी और पालकों को डिजिटल शिक्षा प्लेटफार्म जैसे दीक्षा ऐप, ई-जादुई पिटारा, डिजिटल लाइब्रेरी आदि के उपयोग से भी अवगत कराया।

पालकों ने बच्चों की पढ़ाई, प्रमाण पत्र, और योजनाओं से संबंधित अपनी समस्याएं साझा कीं, जिनका मौके पर समाधान किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक महेंद्र पटेल, कृष्ण कुमार यादव, अनिता सिंह, योगेश साहू, रविनाथ जायसवाल, सरिता सिंह, विद्यार्थी एवं पालकगण उपस्थित रहे।

छोटाउदेपुर जिले में 'संस्कृत गौरव यात्रा' का आयोजन

खत्री रफाकत इदरीशभाई

गुजरात: गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड, गांधीनगर द्वारा आयोजित संस्कृत सप्ताह के पहले दिन, छोटाउदेपुर जिले में 'संस्कृत गौरव यात्रा' का आयोजन एस.एफ. हाई स्कूल छोटाउदेपुर से किया गया।

इस यात्रा को जिला विकास अधिकारी सचिन कुमार, प्राथमिक विभाग के प्रशासक कल्पेशकुमार शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी आनंदकुमार परमार तथा जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी जयशंकर परमार, नगरपालिका अध्यक्ष मंजुलाबेन कोठी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

यह शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से गुजरती हुई फायर स्टेशन होते हुए पुनः एस.एफ. हाई स्कूल पर सम्पन्न हुई। यात्रा में विद्यार्थियों ने विभिन्न बैनर और प्लेकार्ड के साथ भाग लिया तथा ऋषि-मुनियों के वेशभूषा में प्राचीन भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत की।

युवा पीढ़ी में संस्कृति और परंपरा की जानकारी को बढ़ाने के उद्देश्य से यात्रा के दौरान वेद मंत्रों के पाठ, संस्कृत गीत, वैदिक साहित्य, और भारतीय प्राचीन संस्कृति पर आधारित झांकियों का प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ इस गौरव यात्रा में भाग लिया।

जिला शिक्षा अधिकारी आनंदकुमार परमार ने जानकारी दी कि गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड द्वारा विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु तीन दिवसीय संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन किया गया है।

पहले दिन 'संस्कृत गौरव यात्रा' निकाली गई।

दूसरे दिन विद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी।

समापन समारोह बोडेली बीएपीएस स्वामीनारायण हॉल में होगा, जहां संस्कृत प्रदर्शन और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

सम्पादकीय

उत्तराखंड में तबाही का जिम्मेदार कौन!

उत्तराखंड का धराली बाजार बादल फटने से एक बार फिर तबाह हो गया। इससे पहले तीन बार 1864, 2013 और 2014 में भी यहां बादल फटे थे और तबाही आई थी। हालांकि समय के साथ धराली बार-बार उठ खड़ा हुआ है। हो सकता है फिर से उठ खड़ा हो जाए। गंगोत्री धाम से करीब 18 किलोमीटर पहले बसा उत्तरकाशी जिले का धराली पहले गांव था, फिर कस्बा बना और अब बाजार बनकर गुलजार हो रहा था। वहां 25 से ज्यादा होटल और होम स्टे बन गए थे। कई सारे रेस्टोरेंट और दुकानें खुल गई थीं। गंगोत्री धाम जानेवाले पर्यटक यहां ठहरते और रात्रि विश्राम किया करते थे। गंगोत्री धाम जानेवालों के लिए धराली आखिरी पड़ाव होता है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल गंगोत्री धाम में 6 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये थे। इस साल का आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है।

धराली की आबादी करीब एक हजार थी। मंगलवार दोपहर तक धराली के बाजार में चहल-पहल थी। बारिश के बावजूद मौसम सुहावना था। इस बीच, दोपहर करीब 1.15 बजे धराली के ऊपरी इलाके में बादल फटने से पहाड़ का मलबा महज 34 सेकेंड में धराली के बीचोंबीच बहनेवाली खीर नदी के रास्ते सब कुछ समेट ले गया। लगभग पूरा बाजार, 22 घर, कई होटल और होम स्टे जमींदोज हो गए। धराली में जो इक्का-दुक्का घर बचे भी हैं, उसमें करीब 8 फीट मलबा भरा हुआ है। जानमाल के नुकसान का पूरा ब्यौरा रिपोर्ट लिखे जाने तक नहीं मिल सका है। हादसे के दूसरे दिन शाम तक बचाव दल ने 400 से ज्यादा लोगों के रेस्क्यू करने का दावा किया है। उधर, प्रशासन ने 5 लोगों के मरने की पुष्टि की है, जिनमें एक का शव बरामद किया गया है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी और सेना के जवान राहत और बचाव कार्य में हादसे के बाद से ही जुटे हुए हैं। हालांकि उत्तराखंड में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश बचाव दल का रास्ता रोक रही है।

इधर, केरल के 28 सदस्यीय टूरिस्टों का दस्ता धराली हादसे के बाद से लापता बताया जाता है। उनके पारिवारिक सदस्यों ने मीडिया को बताया कि सभी लोग मंगलवार की सुबह धराली में थे और गंगोत्री धाम जाने की तैयारी कर रहे थे। अब हादसे के बाद उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। धराली स्थित प्राचीन कल्प केदार मंदिर भी मलबे में दफन हो गया है। बताया जाता है कि कल्प केदार मंदिर 1500 साल से ज्यादा पुराना है।

उत्तरकाशी के लिए मंगलवार का दिन कुछ ज्यादा ही मनहूस रहा। वहां महज ढाई घंटे के भीतर धराली के अलावा हर्षिल और सुक्खी टॉप के पास भी बादल फटने की घटनाएं हुईं। हर्षिल में भारतीय सेना का बेस कैंप है। एनडीआरएफ के डीआईजी के मुताबिक हादसे के बाद सेना के 11 जवान भी लापता हैं। उन्हें ढूंढने का अभियान जारी है। प्रशासन ने अभी तक सिर्फ धराली और हर्षिल हादसे का आधा-अधूरा ब्यौरा दिया है। सुक्खी टॉप में बबार्दी की जानकारी दूसरे दिन तक नहीं मिल पायी है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बात की है। उन्होंने हर संभव मदद का भरोसा दिया है। हादसे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया है। वह राज्य के आपदा प्रबंधन के लोगों और सरकारी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। लेकिन प्रकृति जब कोप में होती है तो आदमी बेबस हो जाता है। वरिष्ठ भू वैज्ञानिक प्रो. एसपी सती कहते हैं कि ह्यधराली ट्रांस हिमालय में मौजूद मेन सेंट्रल थर्स्ट में है। यह एक दरार होती है जो मुख्य हिमालय को ट्रांस हिमालय से जोड़ती है।

विसंगतियों में उलझा आधुनिक जीवन

-विकेश कुमार बडोला-

तथाकथित तथ्य समर्थकों तथा तर्क पक्षकारों द्वारा विश्व में औद्योगिकीकरण आरंभ होने से लेकर अब तक यही मान्यता अपने कथनों-कर्मों द्वारा बारंबार स्थापित की जाती रही है कि विज्ञान ही मानवीय प्रगति का सर्वोत्तम साधन है। ऐसे लोगों द्वारा स्थापित यह धारणा विगत एक-दो दशकों से इस आधार पर अत्यधिक संदिग्ध हो चुकी है कि बीस वर्षों में मानव व मानवता का कल्पना से अधिक पतन हुआ है। क्या वैज्ञानिक प्रगति के परिणाम में हुए व हो रहे मानवीय पतन को प्रगति के ऐसे प्रदर्शक के रूप में देखा जाए कि लोगों द्वारा उसका अनुसरण होता रहे अथवा अब इसके विरोध में लोक समाज मुखर होकर सामने आए? गत तीन-चार सौ शताब्दियों से उद्योगों द्वारा तैयार उत्पादन तथा उत्पादन के वैश्विक व्यापार के अनुरूप चालित विश्व के देशों का शासन, समाज, परिवार और लोग मानवता के आधार पर निहित क्रियाकलापों, आचरण और पारस्परिक कल्याणकारी व्यवहार से विमुख हो चुके हैं। इस जीवन-चालन में मानव व मानवता ही खंड-खंड नहीं हुई, अपितु मानव के लिए प्राकृतिक रूप में विद्यमान पृथ्वी, व्योम, वायु, जल, वन-वनस्पतियां, पर्वत-पठार, सरिताएं, समुद्र इत्यादि सभी तत्त्व भी इस सीमा तक विकृत हो चुके हैं कि अब जीवन का अस्तित्व ही पूर्ण रूप से असुरक्षित तथा असंतुलित हो चुका है। ऐसी असुरक्षा तथा असंतुलन के परिणाम में उत्पन्न प्राकृतिक व सामाजिक विकृतियों के लिए उद्योगपति, शासक तथा नागरिकों व उपभोक्ताओं के रूप में लोग भी दोषी हैं।

ऐसे जीवन अभ्यास को करते-करते मानव समाज को चार-पांच सौ वर्ष हो चुके हैं। अतः इसे अब शासन द्वारा नियमों के द्वारा थामा नहीं जा सकता है। उद्योगपति अपने-अपने परिवारों व प्रियजनों के साथ इस अभ्यास के दुष्परिणामों से पीड़ित होकर सैद्धांतिक रूप में तो इसके विरोध में हैं, किंतु व्यवहार में उन्हें इस आधार पर पूर्वनिर्धारित धनार्जन का लालच इसे चलाए रखने के लिए ही दुष्प्रेरित कर रहा है। विश्व के शासन व शासक पूर्णतः उद्योगपतियों की छत्रछाया में ही चलते रहे हैं। अतः वे भी आधुनिकता के दुष्परिणामों से उद्योगपतियों की ही भांति पीड़ित हैं। वे भी उनकी भांति किंकत्त्रव्यविमूढ़ हैं। वे दुष्परिणामों से परिचित होने के बाद भी अपने शासन को चलाए रखने के लिए उन पर नियंत्रण की कार्यनीतियां नहीं बनाते हैं। वे निहित स्वार्थों, हितों एवं चमत्कारिक महत्त्वाकांक्षाओं के सच होने की प्रतीक्षा में दिन-रात व्यतीत कर रहे हैं। विगत दिनों भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात देशों की यात्रा पर थे। अपनी यात्रा की समयावधि में उन्होंने किसी देश में वक्तव्य दिया कि अंतरिक्ष में जाना, आधुनिकता का विस्तार करना या होना तथा विज्ञान के आधार पर प्रगति करने का तात्पर्य यह नहीं है कि विश्व के शासक व लोग मानवता के आधार पर सुनिश्चित पारस्परिक कल्याणकारिता के भाव, विचार व आचरण से विमुख हो जाएं।

भारतीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी किसी मंच पर अपनी सेवानिवृत्ति के बाद की अपनी कार्ययोजनाओं के संबंध में वक्तव्य दिया है कि वे सेवानिवृत्ति के बाद प्राकृतिक कृषिकर्म करेंगे। भारत के प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री के इन दो वक्तव्यों से स्पष्ट हो जाता है कि उनकी भांति विश्व के विचारवंत शासक विज्ञान व उद्योग आधारित प्रगति एवं आधुनिकता के अति भयंकर दुष्परिणामों से भली-भांति परिचित तो हैं, किंतु वे उद्योगपतियों की महत्त्वाकांक्षाओं तथा लोगों की उपभोक्तावादी बुरी लतों के समक्ष निरुपाय हैं। वे प्राकृतिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक होने के अपने व्यक्तिगत दृष्टिकोण को देश व समाज पर नियम बनाकर लागू नहीं कर पा रहे हैं। आशय यह है कि वे भी मानव व मानवता के सिर पर मंडरा रही उद्योगों तथा आधुनिकता की विवशताओं को समाप्त करने की स्थिति में नहीं हैं। वे भी इनके वशीभूत होकर, शासक बनकर समय व्यतीत कर रहे हैं। हालांकि प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री के नेतृत्व में भारतीय शासन सुशासन की श्रेणी में आता है, भारत की नीतियां प्रत्यक्ष रूप में लोक विरोधी प्रतीत नहीं होतीं, वर्तमान समय में देश की राजनीतिक विचारदृष्टि लोककल्याण से संचित है, किंतु सत्य ये है कि भारत देश का ऐसा शासन-तंत्र अर्थव्यवस्था के स्वरूप में दुनिया के शासन-तंत्रों के प्रभाव व नियंत्रण में है और दुनिया का शासन तंत्र उद्योग, प्रगति, विज्ञान, आधुनिकता के विसंगत विरोधाभासों तथा आत्मघाती क्रियाकलापों के जंजाल में उलझा हुआ है। अतः प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में सामाजिक, प्राकृतिक, आध्यात्मिक तथा पारंपरिक कृषकीय सिद्धांतों को आत्मसात करके भी वे देश व इसके लोगों को उसी भांति चलाने को विवश हैं जिस भांति विश्व चल रहा है।

-डॉ. ज्ञान पाठक-

हर नागरिक को है सरकार से सवाल पूछने का अधिकार

> राहुल गांधी की टिप्पणी, चाहे कोई इससे सहमत हो या न हो, चीनी घुसपैठ से निपटने में सरकार की विफलता की आलोचना करने वाली एक राजनीतिक टिप्पणी थी, न कि भारत के प्रति बेवफाई का बयान। सेना की स्थिति और चीन के हाथों हुई तकलीफों या भारतीय क्षेत्र में चीन की घुसपैठ पर सरकार के कुप्रबंधन की आलोचना करना लोकतांत्रिक विमर्श का एक हिस्सा मात्र है, देशद्रोह या भारत-विरोधी नहीं। ऐसे भाषणों या बयानों को 'अभारतीय' कहना खतरनाक बयानबाजी है- खासकर देश की सर्वोच्च अदालत से।

सत्ता में बैठे लोगों से सवाल करना-खासकर बाहरी खतरे के समय-राष्ट्र-विरोधी नहीं, बल्कि अक्सर देशभक्ति का सर्वोच्च रूप होता है। स्पष्ट कर दें: राहुल गांधी एक राजनीतिक व्यक्ति और विपक्ष के नेता हो सकते हैं, लेकिन सरकार से सवाल करने का उनका अधिकार-यहां तक कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामलों पर भी-संविधान द्वारा संरक्षित है।

भारत के संविधान के तहत सरकार की आलोचना करने का नागरिक का अधिकार सुरक्षित है। फिर भी, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज महीश की एक बेंच ने 4 अगस्त, 2025 को भारत के विपक्ष के नेता राहुल गांधी की देशभक्ति पर सवाल उठाया। राहुल गांधी ने 2022 में अपने भारत जोड़ो यात्रा अभियान के दौरान टिप्पणी की थी कि भारत ने अपनी 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन खो दी है जिस पर चीन का कब्जा। बेशक, यह एक संवेदनशील मुद्दा है, लेकिन फिर लोकतंत्र में, सरकार की आलोचना न केवल एक अधिकार है, बल्कि एक सच्चे नागरिक का कर्तव्य भी है।

क्या सुप्रीम कोर्ट ने 'एक सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा' या 'अगर आप एक सच्चे भारतीय होते, तो आप यह सब नहीं कहते' जैसी टिप्पणी करके गलती की है, जैसा कि बताया गया है? क्या उनकी भारतीयता पर सवाल उठाना समस्याजनक नहीं है?

आइए, भारत के संविधान पर एक नजर डालें, जो 'सच्चे भारतीय' शब्द को परिभाषित नहीं करता। हर नागरिक कानून के सामने समान है, चाहे उसके राजनीतिक विचार कुछ भी हों या सरकार की आलोचना कुछ भी हो। न्यायपालिका का काम कानून की व्याख्या करना और कानूनी व्याख्या के आधार पर अपना फैसला सुनाना है, न कि देशभक्ति पर नज? रखना। सुप्रीम कोर्ट की विश्वसनीयता निष्पक्षता पर टिकी है। नैतिक या राजनीतिक निर्णय का संकेत देने वाली टिप्पणियां -जैसे किसी को 'सच्चा' या 'असच्चा' भारतीय कहना- कानूनी रूप से अस्पष्ट हैं और उनका कोई संवैधानिक आधार नहीं है।

ध्यान रखना जरूरी है कि राहुल गांधी की टिप्पणी, चाहे कोई इससे सहमत हो या न हो, चीनी घुसपैठ से निपटने में सरकार की विफलता की आलोचना करने वाली एक राजनीतिक टिप्पणी थी, न कि भारत के प्रति बेवफाई का बयान। सेना की स्थिति और चीन के हाथों हुई तकलीफों या भारतीय क्षेत्र में चीन की घुसपैठ पर सरकार के कुप्रबंधन की आलोचना करना लोकतांत्रिक विमर्श का एक हिस्सा मात्र है, देशद्रोह या भारत-विरोधी नहीं। ऐसे भाषणों या बयानों को 'अभारतीय' कहना खतरनाक बयानबाजी है- खासकर देश की सर्वोच्च अदालत से।

तो क्या यह टिप्पणी न्यायिक अतिक्रमण थी? संभवतः हां। बेशक, न्यायाधीश गैर-जिम्मेदाराना भाषण की निंदा कर सकते हैं, लेकिन 'आप सच्चे भारतीय नहीं है' कहना कानून और विचारधारा के बीच की रेखा को धुंधला कर देता है। 'सच्चे भारतीय' शब्द के अर्थ भिन्न हो सकते हैं यदि इसे देश की लोकतांत्रिक राजनीतिक पृष्ठभूमि में देखा जाए। अब भारत में हर कोई जानता है कि आरएसएस-भाजपा का 'सच्चा भारतीय' किसी भी अन्य राजनीतिक दल के 'सच्चे भारतीय' से गुणात्मक रूप से भिन्न है। लोगों के 'सच्चे भारतीय' के मानक पर भी अलग-अलग विचार हैं। कोई यह समझ नहीं पा रहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने 'सच्चा भारतीय' कहकर क्या अभिप्राय व्यक्त किया। यह अस्पष्ट है। जब हम इस मुद्दे को न्यायिक नैतिकता के दृष्टिकोण से देखते हैं, तो सर्वोच्च न्यायालय की पीठ की ऐसी टिप्पणी न्यायिक निष्पक्षता को संभावित रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। इस अर्थ में, ऐसी टिप्पणी न केवल अस्पष्ट और निरर्थक है, बल्कि एक बुरी मिसाल भी है।

क्या इस टिप्पणी को निरर्थक कहना पीठ, सर्वोच्च न्यायालय या न्यायपालिका का अनादर है? बिल्कुल नहीं, क्योंकि यह केवल न्यायालय की एक गलत चुनी गई टिप्पणी की आलोचना है, उससे अधिक कुछ नहीं, क्योंकि न्यायाधीशों से कानून के निष्पक्ष निर्णायक होने की अपेक्षा की जाती है। यह अच्छी बात है कि इस टिप्पणी के बावजूद हमारे माननीय न्यायाधीशों ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि की कार्रवाई पर रोक लगा दी और मामले से जुड़े पक्षों को नोटिस जारी किए।

जब सर्वोच्च न्यायालय देश के वर्तमान विपक्ष के नेता, एक नागरिक की देशभक्ति पर सवाल उठाता है, तो वह वैधता के बजाय अदालत से निकलकर चुनावी अभियान में उतर जाता है -जहां तर्क की जगह बयानबाजी ले लेती है। कानून के बिंदुओं के बजाय एक पीठ द्वारा देशभक्ति पर सवाल उठाने से न्यायिक निष्पक्षता से राजनीतिक बयानबाजी में बदलने का जोखिम पैदा हो गया है, जो न्याय और लोकतांत्रिक संवाद, दोनों को कमजोर कर रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी कई अन्य कारणों से भी बेहद परेशान करने वाली है। इनमें से पहला यह है कि यह तथ्यात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण है जब अदालत ने राहुल गांधी से पूछा, 'आपको कैसे पता कि चीन ने 2000 वर्ग किलोमीटर कब-कब हासिल किया था? विश्वसनीय सामग्री क्या है?'

इसलिए, हमें यह जानने की जरूरत है कि 2000 वर्ग किलोमीटर कहां से आया, जो आधिकारिक तौर पर चीन के कब्जे में 43, 180 वर्ग किलोमीटर भारतीय भूमि, जिसे भारत सरकार स्वीकार करती है, के अलावा है, जिसमें चीन को पाकिस्तान द्वारा सौंपी गई 5180 वर्ग किलोमीटर भूमि भी शामिल है। 2000 किलोमीटर की विवादित सीमा कई विश्वसनीय स्त्रोतों से आई है, जिनमें भारतीय सुरक्षा एजेंसियां, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी और खोजी रिपोर्ट शामिल हैं, जिन्होंने पुष्टि की है कि जून 2020 में चीन-भारत संघर्ष के बाद से, भारत ने पूर्वी लद्दाख के इस क्षेत्रफल को खो दिया है। यह जमीन औपचारिक रूप से नहीं सौंपी गई है, लेकिन भारतीय गश्ती दल को पहुंच से वंचित कर दिया गया है, बफर जोन का विस्तार किया गया है, और जमीनी स्तर पर चीनी नियंत्रण मजबूत हो गया है। लद्दाख पुलिस, स्वतंत्र रिपोर्टों और आंतरिक आकलनों ने 65 में से 26 गश्ती बिंदुओं पर गश्त के अधिकारों के नुकसान को भी स्वीकार किया है, जो अप्रत्यक्ष रूप से गांधी द्वारा कही गई बात की पुष्टि करता है।

इसलिए, राहुल गांधी की टिप्पणियां यूं ही नहीं की गईं। वे इस चल रही वास्तविकता पर आधारित थीं, जो उन चिंतित नागरिकों और सैनिकों की ओर से व्यक्त की गई थीं जो सरकार की चुप्पी और अस्पष्टता को एक गंभीर विफलता मानते हैं। गांधी की चेतावनी एक ऐसे विषय पर पारदर्शिता और राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करने का एक प्रयास थी, जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार की कूटनीतिक चुप्पी छाई हुई है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने पूछा कि राहुल गांधी ने संसद में नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पोस्ट में यह सवाल क्यों उठाया? ...आप संसद में सवाल क्यों नहीं पूछ सकते? ऐसे सवाल देश के विपक्ष के नेता पर दबाव डालते हैं, जिसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव निवारक होता है। विपक्ष के नेता के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें सार्वजनिक राजनीतिक अभियान, सोशल मीडिया, संसद या अपनी पसंद के किसी भी अन्य स्थान पर राष्ट्र से जुड़े मुद्दे उठाने का अधिकार है। उन्हें संसद के अंदर और बाहर, दोनों जगह सरकार की आलोचना करने का अधिकार है। पीठ ने कहा था कि सिर्फ इसलिए कि आपके पास अनुच्छेद 19(1)(ए) है, आप कुछ भी नहीं कह सकते।

-सुरेश हिंदुस्तानी-

ध्वस्त हुआ एक और झूठा नैरेटिव

भारत में स्वार्थी राजनीति का खेल यूँ तो बहुत पुराना है, लेकिन ऐसी राजनीति जनमानस को केवल भ्रमित करने का काम ही करती है। यह भी सत्य है कि इसका प्रभाव लम्बे समय तक नहीं रहता। राजनीति सच की होना चाहिए, न कि झूंठ की। लेकिन आज विसंगति यह है कि राजनीतिक दल केवल अपने लिए ही राजनीति करते हैं, देश के लिए नहीं। आज राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करने तक सीमित हो गया है। ऐसी ही राजनीति के माध्यम से हिन्दू आतंकवाद की थ्योरी स्थापित करने का खेल खेला गया। अब इस षड्यंत्र की परतें भी उधड़ने लगी हैं। जिसके फलस्वरूप फेक नैरेटिव का पदार्फास हो गया।

भारत क्या है और उसकी विरासत क्या है? इसके मूल में जो प्रमाण मिलते वे उसका एक दर्शन है। यह दर्शन मात्र कुछ वर्षों का कार्य नहीं, बल्कि एक लम्बी साधना के बाद निकला है। जो भारतीय समाज के लिए एक प्रेरणीय पाथेय है। लेकिन लम्बे समय से इस आदर्श विरासत को मिटाने का कुचक्र भी चल रहा है। हम यह भली भांति जानते हैं कि जब जब भारतीय समाज विघटित हुआ है, तब भारत को कमजोर करने के सुनियोजित प्रयास भी किए। देश विघातक शक्तियों ने भारत के समाज में फूट डालकर अपने मंसूबों को सफल किया। ऐसे प्रयास आज भी हो रहे हैं। मूल समस्या पर किसी प्रकार का कोई चिंतन नहीं हो रहा है, और न ही उस दिशा में कोई प्रयास ही हो रहा है।

अभी अभी न्यायालय ने मालेगाँव विस्फोट मामले में एक ऐतिहासिक निर्णय दिया है। जिसमें हिन्दू आतंकवाद के नैरेटिव को ध्वस्त किया गया। इस नैरेटिव की भूमिका पूरी तरह से आधारहीन ही थी। न्यायालय के निर्णय से यह ज्ञात हुआ कि इसमें जिनको आरोपी बनाया गया, उनके विरोध में पर्याप्त प्रमाण नहीं थे, जब प्रमाण ही नहीं थे, तब इस मामले में गिरफ्तार करने की जल्दबाजी किसके संकेत पर की गई। यह बहुत बड़ा षड़यंत्र ही था, जिसकी कलई धीरे धीरे खुलने लगी हैं। एक पूर्व अधिकारी का बयान इसकी पुष्टि करने के लिए पर्याप्त माना जा सकता है। हिन्दू समाज को बदनाम करने का यह षड्यंत्र केवल एक वर्ग को खुश करने प्रयास मात्र ही था। राजनीतिक दलों को हमेशा अपने स्वार्थ के लिए ही राजनीति नहीं करना चाहिए। राजनीति मात्र देश को शक्तिशाली और समाज को संगठित करने के लिए होना चाहिए। यहां एक सवाल खड़ा करना मुझे बहुत आवश्यक लग रहा है। क्या देश के लिए काम करने की जिम्मेदारी केवल सरकार की ही होती है? विपक्ष और समाज की भी होती है। अगर सभी एक भाव से समाज को एक करने का कार्य करें तो भारत का सूर्य केवल भारत को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को आलोकित करेगा, यह तय है।

मालेगाँव विस्फोट मामले में षड्यंत्र की बुनियाद किसने की, इस सवाल का उत्तर पहले से वातावरण में तैर रहा था। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने हिन्दू आतंकवाद की झूठी कहानी की पटकथा तैयार की।

अब सवाल यह उठता है कि रामराज्य की संकल्पना को जमीन पर उतारने का सपना देखने वाले महात्मा गांधी के नाम पर राजनीति करने वाली कांग्रेस के सामने ऐसी क्या मजबूरी थी कि उसने हिन्दू आतंकवाद का प्रपंच रचा। इसका पहला कारण तो यही समझ में आता है कि यह सब एक विशेष वर्ग को खुश करने का प्रयास मात्र ही था। कांग्रेस की ऐसी राजनीति करने वाले एक प्रकार से कांग्रेस को ही कमजोर करने का काम कर रहे हैं। हमें यह भी याद होगा कि एक बार कांग्रेस की सरकार के समय भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकारने का प्रयास किया गया। उस समय हिन्दू समाज की जाग्रति के समक्ष कांग्रेस को झुकना पड़ा और सरकारी स्तर पर किए गए प्रयास पर पूरी तरह से पानी फिर गया।

मालेगाँव विस्फोट मामले में भी ऐसा ही प्रयास किया गया। इसका एक कारण कांग्रेस की वह मानसिकता है, जिसके तहत कांग्रेस को नेतृत्व देने वाले राजनेता केवल यही सोचते हैं कि हम तो सरकार चलाने के लिए ही बने हैं। आज भी कांग्रेस के नेता इसी भावना के साथ विचार रखते हैं। उन्हें यह लगता ही नहीं है कि देश में अब कांग्रेस की सरकार नहीं है और देश में राजनीतिक परिवर्तन हो चुका है। कांग्रेस को यह आत्म मंथन करना चाहिए कि देश की जनता क्या चाहती है। क्योंकि जनता ने ही कांग्रेस को सता से बेदखल किया है। भारत का लोकतंत्र यही कहता है कि देश में जनता का शासन है। जनता का शासन मतलब किसी दल की सरकार नहीं, वह जनता की सरकार है, लेकिन हमारे राजनीतिक दल इसको राजनीतिक दल की सरकार मानकर व्यवहार करते हैं। कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि जब जनता की सरकार है, तब सरकार का विरोध करने का अर्थ जनता का ही विरोध है। आज जनता इतनी समझदार हो चुकी है कि उसे पल पल की जानकारी है, इसलिए कुछ समय के भ्रमित किया जा सकता है, लेकिन भ्रम से जब परदा उठता है तो इसके पीछे एक षड्यंत्र का खेल दिखाई देता है। मालेगांव मामले में कुछ बयानों को आधार बनाया जाए तो यही कहा जा सकता है कि इसमें और भी प्रभावी व्यक्तियों को फसाने की तैयारी भी हो रही थी, इसकी भूमिका भी बन चुकी थी, लेकिन कांग्रेस का यह सपना इसलिए पूरा नहीं हो सका, क्योंकि जिनको आरोपी बनाया गया उन्होंने प्रताड़ना सहने के बाद भी उनके मन मुताबिक बयान नहीं दिए। यहां एक और बात का उल्लेख करना बहुत आवश्यक हो जाता है कि कांग्रेस के नेता असली आतंकवाद पर बोलने से हमेशा किनारा करते हैं। इतना ही नहीं कभी कभी तो कांग्रेस के नेता आतंकियों के समर्थन में सम्मान पूर्वक बात करते हैं। इनको केवल सनातन से चिढ़ है। आज जब सनातन अपने उभार पर है, तब इनकी चिंता और ज्यादा बढ़ रही है।

भारत में राजनीति की दशा और दिशा क्या होना चाहिए, यह तय करने का समय आ गया है। कांग्रेस को इस सत्य को स्वीकार करना चाहिए। दूसरी बात यह है कि भारत को भारत के दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। जहाँ समाज में भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि भारत में जितने भी धर्म और संप्रदाय के व्यक्ति रहते हैं, वे

-निर्मल रानी-

सवाल जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता का?

पिछले कुछ दिनों के भीतर विभिन्न न्यायालयों द्वारा कई बहुचर्चित व हाई प्रोफाईल मामलों से संबंधित कई ऐसे फैसले सुनाये गये जिससे एक बार फिर जांच एजेंसियों की 'कारगुजारियों' पर सवाल उठने लगे हैं। सवाल भी दो तरह के। एक तो यह कि यदि सम्बद्ध मामले में अदालत के अनुसार आरोपी बेगुनाह थे तो आखिर अपराध करने वाले कौन थे? उन्हें सामने लाने की जिम्मेदारी आखिर किस एजेंसी की है? और दूसरा बड़ा सवाल यह कि लंबे समय तक जेल में रहने, कथित रूप से प्रताड़ना सहने, पूरे समाज में अपनी व अपने परिवार की बदनामी उठाने, इतने वर्षों तक अपने काम काज से मुक्त होकर जांच व जेल का सामने करने गोया आरोपियों का पूरा जीवन बर्बाद होने की भरपाई कैसे हो और कौन करेगा इसकी भरपाई? गत 21 जुलाई को बॉम्बे हाई कोर्ट की जस्टिस अनिल किलोर और जस्टिस श्याम चांडक की विशेष पीठ ने 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामले से संबंधित मामले में 19 साल बाद, ऐतिहासिक फैसला सुनाया। इस फैसले में 12 में से 11 आरोपियों को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। जबकि कमाल अहमद अंसारी नाम के एक आरोपी की 2021 में कोरोना के चलते जेल में ही मृत्यु हो चुकी थी। गौर तलब है कि 11 जुलाई 2006 को मुंबई की लोकल ट्रेनों में केवल 11 मिनट के भीतर सात स्थानों पर सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। इन धमाकों में 189 बेगुनाह लोग मारे गए थे तथा 800 से अधिक घायल हुए थे। यह बम धमाका मुंबई की उन लोकल ट्रेन्स को लक्षित करके किया गया था, जिसमें रोजाना लाखों यात्री सफर करते हैं।

इसी तरह का दूसरा फैसला गत 31 जुलाई 2025 को मुंबई की विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी एन आई ए की अदालत ने सुनाया। यह मामला 29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में हुए बम धमाके से संबंधित था। मालेगांव बम विस्फोट मामले में 17 साल बाद सुनाये गये इस फैसले में भी अदालत ने सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। मुस्लिम बहुल इलाके में हुये इस मोटरसाइकिल बम विस्फोट में फरहीन उर्फ शगुफ्ता शेख लियाकत, शेख मुश्ताक यूसुफ, शेख रफीक मुस्तफा, इरफान जियाउल्लाह खान, सैयद अजहर सैयद निसार, और हारून शाह मोहम्मद शाह जैसे 6 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। 29 सितंबर 2008 को रमजान के पवित्र महीने और नवरात्रि से ठीक पहले, मालेगांव के भीकू चौक पर एक मोटरसाइकिल में बम विस्फोट कर इस घटना को अंजाम दिया गया था। । इस घटना के बाद देश में व्यापक विवाद व सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया था। यही वह घटना थी जिसमें प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ़्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित, रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी, और समीर कुलकर्णी जैसे लोगों पर गैर कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (UAPA), भारतीय दंड संहिता (IPC), और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे। अभियोजन पक्ष ने यह दावा किया था कि जिस मोटरसाइकिल में विस्फोटक लगाकर उड़ाया गया था वह प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर थी जबकि कर्नल पुरोहित ने विस्फोटक सामग्री यानी आर डी एक्स उपलब्ध कराई थी। उस समय ए टी एस ने यह दावा भी किया था कि यह हमला दक्षिणपंथी संगठन "अभिनव भारत" की साजिश के तहत किया गया था।

इसी तरह एक और बहुचर्चित मामला दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन से जुड़ा है। गत 4 अगस्त 2025 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन के खिलाफ एक मामले में सी बी आई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली। इस मामले में सत्येंद्र जैन पर लोक निर्माण विभाग में अनियमित नियुक्तियों का आरोप था। परन्तु अदालत ने पिछले दिनों इसी मामले में अपना फैसला सुनाते हुये कहा कि सी बी आई को लंबी जांच के बाद भी जैन के खिलाफ कोई आपराधिक सबूत नहीं मिले। अब आरोप लग रहा है कि ई डी ने जैन के विरुद्ध बिना ठोस सबूतों के कार्रवाई की। क्योंकि एऊने जैन के घर से नकद या सोना बरामद होने का जो दावा किया था अदालत ने उन दावों को ही झूठा माना और ई डी को फटकार भी लगाई। इन आरोपों में अपनी संलिप्तता से पूर्व दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य, बिजली, गृह, और पी डब्लू डी जैसे महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री जैसे गरिमामयी पद पर थे।

उदाहरणार्थ उपरोक्त तीनों मामलों का जिक्र यहाँ इसीलिये किया जा रहा है क्योंकि यह मामले न केवल है प्रोफाइल थे बल्कि इन मामलों का गहरा सम्बन्ध देश की राजनीति से भी था। मीडिया में इन सभी मामलों ने भरपूर सुर्खियां बटोरी थीं और पक्षपाती मीडिया ने भी इन मामलों में अपने तरीके से 'मिडिया ट्रायल ' भी चलाया था। अन्यथा निश्चित रूप से ऐसे और भी फैसले आये दिन होते होंगे जिनमें वर्षों तक जेल भुगतने के बाद या जेल में मौत हो जाने के बाद आरोपियों को सुबूतों, साक्ष्यों व गवाहों के अभाव के चलते बरी कर दिया जाता हो। इन परिस्थितियों में कुछ महत्वपूर्ण सवाल उठने लाजिमी हैं। अदालतें यदि किसी भी आरोपी को साक्ष्यों व गवाहों के अभाव के कारण बरी करती हैं तो वह निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। क्योंकि हमारे देश की न्याय व्यवस्था का यह कथन है कि भले ही सौ गुनहगार रिहा हो जाएँ परन्तु किसी एक भी बेगुनाह को सजा नहीं होनी चाहिये। जाहिर है इस कथन के तहत जांच एजेंसियों की रिपोट्र्स का अति सूक्ष्म अध्यन व गवाहों से भरसक जिरह करना अदालत का दायित्व है।

परन्तु हम जांच एजेंसियों की दोषसिद्धि दर की भी अनदेखी नहीं कर सकते। मिसाल के तौर पर जब विपक्षी नेताओं के विरुद्ध सीबीआई और ईडी की कार्रवाई करती है तो सजा की दर केवल 1% होती है। जैसा कि राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया गया था। हो सकता है कि यह आंकड़ा विशेष रूप से राजनीतिक मामलों तक ही सीमित हो परन्तु इसका दूसरा अर्थ यह भी है कि क्या जांच एजेंसियों की कार्रवाइयां भी पूर्वाग्रह से प्रेरित तथा सत्ता के इशारे पर की जाती हैं? इसी तरह आतंकवाद से संबंधित मामलों में ठोस सबूत जुटाना मुश्किल होता है, क्योंकि कई बार गवाह डर के कारण सामने नहीं आते या सबूत अपर्याप्त होते हैं। तो भी आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। कई बार हमारे देश में लंबी व जटिल कानूनी प्रक्रिया के चलते अळर द्वारा गिरफ़्तार किए गए संदिग्धों को निचली अदालतों में सजा मिलती है, लेकिन उच्च न्यायालयों या सर्वोच्च न्यायालय में अपील के बाद वे बरी हो जाते हैं। कुछ मामलों में तो 9 से 23 साल बाद पर्याप्त सबूत के अभाव में लोग बरी हुए थे। इसी तरह वअढअ के तहत सजा की दर भी अपेक्षाकृत कम रही है। इसी आधार पर कभी 2008 में हुये जयपुर सीरियल बम धमाके में बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा सजा पाए कुछ आरोपियों को 2023 में बरी कर दिया। तो कभी 2002 में हुये अक्षरधाम मंदिर हमले के मामले में 6 आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। ऐसी परिस्थितियों में जहां वर्षों बाद बरी होने वाले आरोपियों का जीवन बर्बाद हो जाता है और उनका पूरा परिवार गंभीर आरोपों के इस कलंक के साथ जीने के लिये अभिशप्त हो जाता है वहीं जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता भी संदेह के दायरे में आ जाती है।

देश में एक समान कानून ही सच्ची एकता : अजित पवार

- सरकार की प्राथमिकता महाराष्ट्र का विकास है

मुंबई (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के छह साल पूरे होने पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इसे देश की एकता के लिए जरूरी कदम बताया। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जब हम एक ही देश में रहते हैं, तो जम्मू-कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सभी के लिए एक समान कानून होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले अलग-अलग राज्यों के लिए अलग कानून होना कई लोगों को स्वीकार नहीं था। अब समय आ गया है कि पूरे देश में एक समान कानून लागू हो, यही सच्चे अर्थों में राष्ट्रीय एकता है। महायुति सरकार के प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल पर पवार ने कहा कि राज्य की मौजूदा सरकार को जनादेश मिला है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में राज्य में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि हालिया कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं और सरकार की प्राथमिकता महाराष्ट्र का विकास है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार केंद्र से अधिकतम सहयोग पाने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। राहुल गांधी पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए अजित पवार ने कहा कि किसी पर आरोप लगाने से पहले सबूत होना चाहिए। कोर्ट का निर्णय अंतिम होता है और बिना प्रमाण के आरोप लगाना ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के कुछ नेता बेबुनियाद आरोप लगाते हैं, जो लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से भारत की जमीन चीन के कब्जे में संबंधी टिप्पणी को लेकर सवाल किया था।

ग्लोबल साइबर फॉड मामले में ईडी का बड़ा एक्शन, कर दी ताबड़तोड़ छापेमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बढ़ते साइबर फॉड के मामलों को लेकर ईडी ने बड़ा एक्शन लिया है। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून में 11 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत सीबीआई और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू हुई है। ईडी की जांच में पता चला कि आरोपियों ने 260 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि बिटकॉइन के रूप में कई क्रिप्टो-वॉलेट्स में जमा की। इस राशि को बाद में यूएई में कई हवाला ऑपरेटरों और व्यक्तियों के जरिए यूएसडीटी में बदलकर नकदी में परिवर्तित किया गया। यह खुलासा साइबर अपराध के इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की गहरी जड़ों को दर्शाता है। दिल्ली-एनसीआर से लेकर देहरादून तक, ईडी की टीमें पूरी तत्परता के साथ संदिग्ध ठिकानों की तलाशी ले रही हैं। इस ऑपरेशन का मकसद न केवल सबूत जुटाना है, बल्कि इस साइबर ठगी के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करना भी है। जांच में खुलासा हुआ है कि ठगों ने विदेशी और भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया। ये धोखेबाज खुद को पुलिस या जांच अधिकारी बताकर लोगों को गिरफ्तारी की धमकी देकर उनकी संपत्ति हड़प लेते थे। इतना ही नहीं, कुछ ठगों ने माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी कंपनियों के टेक सपोर्ट एजेंट बनकर भी लोगों को ठगा। पीड़ितों से लूटी गई रकम को क्रिप्टोकरेंसी में बदला गया और फिर उसे आरोपी व्यक्तियों तक पहुंचाया गया।

स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला, माला पहनाने के बहाने थप्पड़ जड़ा

रायबरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी (आरएसएसपी) अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला हुआ है। बुधवार को जब वे रायबरेली के गोल चौराहे पर समर्थकों से मिल रहे थे, तभी एक युवक ने माला पहनाने के बहाने पीछे से उन्हें थप्पड़ जड़ दिया। इस बीच भीड़ ने आरोपी युवकों को दबोचकर उनकी पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद पुलिस ने किसी तरह आरोपियों को भीड़ के चंगुल से छुड़ाया। फिलहाल, इस घटना से इलाके का माहौल गरमा गया है। मारपीट में हमलावर युवकों को गंभीर चोटें आई हैं। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, स्वामी प्रसाद मौर्य बुधवार को रायबरेली के गोल चौराहे पर पहुंचे थे! यहां समर्थक फूल-माला पहनाकर उनका स्वागत कर रहे थे। तभी एक युवक ने माला पहनाने के दौरान मौर्य को थप्पड़ मार दिया। बताया जा रहा है कि हमलावर युवक करणी सेना से जुड़े हो सकते हैं, हालांकि संगठन की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने हमले के लिए योगी सरकार पर आरोप लगाते हुए इस सरकारी गुंडों का काम बताया है। उन्होंने कहा कि यह घटना लखनऊ से फतेहपुर जाते समय मिलएरिया थाना क्षेत्र के सारस चौराहे पर हुई। पूर्व सपा नेता मौर्य अपने विवादित बयानों के कारण अक्सर सुर्खियों में रहते हैं और उन पर पहले भी इस तरह के हमले हो चुके हैं।

जमुई में एक दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन उल्लू मिला, कीमत लाखों में

जमुई (एजेंसी)। जमुई में एक दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन उल्लू मिला है, जिसकी कीमत लाखों में आंकी गई है। यह घटना लक्ष्मीपुर प्रखंड के सोनदीपी गांव में हुई, जहाँ एक परिवार को रात में अपने घर में यह उल्लू मिला। करीब दो बजे विकास कुमार यादव अपने घर के बरामदे में सो रहे थे, जब उन्हें खाट के नीचे से डरावनी आवाज और फड़फड़ाहट सुनाई दी। उन्होंने परिवार के सदस्यों को जगाकर रोशनी करके देखा, खाट के नीचे एक ब्राउन रंग का उल्लू मिला। परिवार ने सावधानीपूर्वक उल्लू को पकड़ा और एक कमरे में बंद कर दिया ताकि वह सुरक्षित रहे। पूरी रात परिवार के लोग जागकर उसकी निगरानी करते रहे। सुबह यह खबर पूरे गांव में फैल गई और लोग उल्लू को देखने के लिए इकट्ठा हो गए। विकास ने उल्लू को सुरक्षित रखने के लिए उसके एक पैर में रस्सी बांधी और वन विभाग को सूचना दी। मंगलवार दोपहर को वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर उल्लू को अपने कब्जे में लिया। वन आरक्षी नीलू पासवान ने बताया कि यह उल्लू दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन आउल है, जो भारत में कम ही पाया जाता है।

ब्रह्मोस, एस-400 से लेकर बराक-1 तक, भारत की वॉर शील्ड बनेगी और भी मजबूत

67,000 करोड़ रुपये के नए रक्षा प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद अब मोदी सरकार रक्षा क्षे में तेजी से काम कर रही है। क्योंकि भारत का पड़ोसी चीन रक्षा मामले में लगातार ताकतवार होता जा रहा है। चीन का ताकतवार होना भारत के लिए चिंता का विषय है। इसी चिंता को देखते हुए भारत सरकार ने देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 67,000 करोड़ रुपये के नए रक्षा प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। यह फैसला केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लिया गया। इन प्रोजेक्ट्स का मुख्य उद्देश्य पाकिस्तान और चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना की ताकत को बढ़ाना है। भारत अब किसी भी हाल में रक्षा क्षेत्र में दूसरे देशों से कमजोर नहीं रहना चाहता है। इन प्रोजेक्ट्स के तहत, भारतीय सेनाओं के लिए कई महत्वपूर्ण सैन्य हार्डवेयर खरीदे जाएंगे।

भारतीय वायुसेना के लिए-पहाड़ी क्षेत्रों में हवाई निगरानी क्षमता बढ़ाने के लिए माउंटेन रडार खरीदे जाएंगे। इसके साथ ही, लंबे समय तक उड़ान भरने वाले मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (मेल) रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए) की खरीद को भी मंजूरी मिली है। जो कि ऑपरेशन सिंदूर में अहम किरदार निभाने वाली वायुसेना को और ताकत मिलेगी। इसके अलावा भारतीय नौसेना के लिए पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट, ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और बराक-1 मिसाइल सिस्टम के अपग्रेड को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही नौसेना के लिए कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट (सीएएससी) की भी खरीद होगी। ये रोबोटिक नौकाएं पनडुब्बी रोधी युद्धों में दुश्मन की गतिविधियों को ट्रैक और न्यूट्रलाइज़ करने में मदद करेंगी।

भारतीय थल सेना के लिए- टैंकों में इस्तेमाल होने वाली थर्मल-इमेजर-आधारित ड्राइवर नाइट-साइट की खरीद की जाएगी, जिससे रात में युद्ध संचालन की क्षमता में सुधार होगा। तीनों सेनाओं के लिए: तीनों सेनाओं के लिए मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस की खरीद के साथ-साथ, रूस निर्मित एस-400 मिसाइल सिस्टम के वार्षिक रखरखाव के कॉन्ट्रैक्ट को भी मंजूरी दी गई है। एस-400 मिसाइल सिस्टम ने हाल ही में पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डीएसी ने इसकी अहमियत को देखते हुए मिसाइल सिस्टम के व्यापक सालाना मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट को भी मंजूरी दी है। आर्मी के लिए थर्मल-इमेजर-आधारित ड्राइवर नाइट-साइट की खरीद के लिए शुरुआती मंजूरी दी गई है जो टैंकों में काम करेगी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इससे बीएमपी यानी की रात में संचालन की क्षमता बढ़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट की राहुल गांधी को फटकार, ओपी राजभर ने किया समर्थन

- सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी उचित है और विपक्ष को अपनी भूमिका समझनी चाहिए

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओपी राजभर ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा राहुल गांधी को दी गई फटकार का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पूरी तरह उचित है और विपक्ष को अपनी भूमिका समझनी चाहिए। मंत्री राजभर ने कहा कि विपक्ष ने यह मानसिकता बना ली है कि सरकार के हर काम का केवल विरोध करना है, जबकि उनका असली कर्तव्य है कि सरकार को सही दिशा दिखाएं। उन्होंने सुझाव दिया कि विपक्ष संसद में मुद्दों पर चर्चा कर सकता है और प्रधानमंत्री, गृहमंत्री या रक्षामंत्री से वार्ता कर सकता है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब भी राहुल विदेश जाते हैं, तो भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले बयान देते हैं। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदार विपक्ष की पहचान नहीं हो सकती। वहीं अखिलेश यादव और राहुल गांधी द्वारा भगवान राम पर दिए गए बयानों को लेकर कहा कि अगर वे राम को नहीं मानते तो जबरदस्ती नहीं की जा सकती, लेकिन चुनाव आते ही ये नेता मंदिरों में अलग-अलग वेशभूषा में दिखाई देते हैं। कांग्रेस पर हमला करते हुए राजभर ने कहा कि जब चुनाव हारते हैं तो चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हैं, लेकिन जीतने पर वही आयोग अच्छा लगने लगता है। बिहार में एसआईआर को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने कहा कि आयोग ने सभी को आपत्ति दर्ज कराने के लिए पर्याप्त समय दिया है और उचित समाधान भी करेगा। राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि देश ने एक निर्भीक और कुशल नेता को खो दिया है।

7 साल पहले शाह पर की गई टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी को मिली जमानत

रांची (एजेंसी)। चाईबासा निवासी प्रताप कटियार नामक शख्स ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ 9 जुलाई, 2018 को दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया था कि उन्होंने वर्ष 2018 में कांग्रेस के अधिवेशन में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। अब इस मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को झारखंड के चाईबासा कोर्ट में चल रहे एक मानहानि मुकदमे में जमानत मिल गई है।

शिकायत के अनुसार, राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। कांग्रेसजन किसी हत्यारे को राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वीकार नहीं कर सकते हैं, यह भाजपा में ही संभव है। इस शिकायत वाद पर चाईबासा कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ अप्रैल 2022 में जमानती वारंट जारी किया था। इस पर राहुल गांधी की ओर से कोई संज्ञान नहीं लिया गया। इसके बाद कोर्ट ने फरवरी 2024 में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। यह मामला वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़ा है। इस केस में झारखंड के चाईबासा के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने उनके खिलाफ वारंट जारी करते हुए व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

राहुल गांधी के अधिवक्ता ने इस पर कोर्ट में आवेदन देकर सशरीर उपस्थित होने की छूट मांगी थी, लेकिन उनका आवेदन खारिज कर दिया गया था। इसके खिलाफ राहुल गांधी झारखंड हाईकोर्ट पहुंचे थे, जहां उन्हें कई महीनों तक राहत मिली थी। मार्च, 2024 में झारखंड हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका निष्पादित कर दी। इसके बाद चाईबासा कोर्ट में फिर से सुनवाई हुई। राहुल गांधी के अधिवक्ता ने इस मामले में कोर्ट में आवेदन दाखिल कर व्यक्तिगत तौर पर उपस्थिति से छूट की मांग की थी, लेकिन इसे कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया था।

निशिकांत दुबे के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर, मनसे ने दी सबक सिखाने की चेतावनी

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र की जनता से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे माफ़ी मांगे ऐसी मांग महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने की थी। हालाँकि, जब सांसद दुबे ने माफ़ी नहीं माँगी, तो नासिक मनसे शहर अध्यक्ष सुदाम कोंबडे ने नासिक ज़िला न्यायालय में दुबे के ख़िलाफ़ याचिका दायर की। साथ ही सांसद दुबे को मनसे शैली में सबक सिखाने की चेतावनी दी गई है। आपको बता दें कि सांसद दुबे ने मराठी समुदाय के ख़िलाफ़ विवादास्पद बयान देने के लिए मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की कड़ी आलोचना की थी। सांसद निशिकांत दुबे द्वारा मराठी लोग किसकी रोटी खाते हैं? तुम मराठी लोग हमारे पैसों पर पलते हो वाला विवादास्पद बयान देने के बाद, महाराष्ट्र में उनके ख़िलाफ़ गुस्से की लहर दौड़ गई थी।

उधर मुंबई से सटे मीरा-भायंदर में एक प्रवासी दुकानदार के मराठी न बोलने की बात कहने पर मनसे कार्यकर्ताओं ने उस पर हाथ उठा दिया था। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ठाकरे बंधुओं पर तब हमला बोला था। निशिकांत दुबे ने मराठी लोगों पर तंज कसते हुए कहा था, बताओ मराठी लोग कितना टैक्स देते हैं। इस पर मनसे के नासिक शहर अध्यक्ष सुदाम कोंबडे ने चेतावनी दी थी कि दुबे महाराष्ट्र की जनता से माफ़ी मांगें, अन्यथा अवमानना की कार्रवाई का सामना करें। लेकिन इसके बाद भी सांसद दुबे ने इस मामले में माफ़ी नहीं मांगी। इसलिए सुदाम कोंबडे ने उनके खिलाफ नासिक जिला सत्र न्यायालय में भारतीय दंड संहिता की धारा 352, 356 के तहत अवमानना याचिका दायर की है। मनसे शहर अध्यक्ष सुदाम कोंबडे ने यह भी चेतावनी दी है कि दुबे जब नासिक आएंगे तो उन्हें सबक सिखाएंगे।

*** दुबे कोई बयान न दें**

मराठी मुद्दे पर दिए गए उनके विवादित बयान के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को शांत रहने की सलाह दी है। देवेंद्र फडणवीस ने 4 अगस्त को मीडिया से बात करते हुए कहा, हम महाराष्ट्र में स्थिति को संभालने में सक्षम हैं। मराठी लोग और यहाँ के अमराठी भी सुरक्षित हैं। महाराष्ट्र में मराठी और गैर-मराठी के बीच कोई विवाद नहीं है, फिर भी कुछ लोग जानबूझकर विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरी सलाह है कि सांसद दुबे को इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एल्विश यादव को सांप के जहर से जुड़े मामले में चल रही ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आरोप-पत्र और आपराधिक कार्यवाही को चुनौती देने वाली एल्विश की याचिका पर यूपी सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस भी जारी किया है। बता दें इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश यादव की याचिका को खारिज कर दिया था। इसमें उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर में दायर आरोप-पत्र के खिलाफ आरोप लगाया गया था कि उन्होंने यूट्यूब वीडियो बनाने के लिए सांपों और सांप के जहर का दुरुपयोग किया था। उनके खिलाफ रेव पार्टियों का आयोजन और विदेशियों को आमंत्रित करने के आरोप भी शामिल हैं जो लोगों को सांप के जहर और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन कराते हैं। जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव की पीठ ने मई में उनकी याचिका खारिज करते हुए मौखिक टिप्पणी की थी कि एल्विश के खिलाफ आरोप-पत्र और एफआईआर में बयान दर्ज हैं और मुकदमे के दौरान ऐसे आरोपों की सत्यता की जांच की जाएगी। पीठ ने यह भी कहा कि एल्विश ने याचिका में एफआईआर को चुनौती नहीं दी है। इसके बाद अब यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस भी जारी किया है। एल्विश ने रेव पार्टी में सांपों का प्रदर्शन करने के मामले में गाजियाबाद कोर्ट में दायर चार्जशीट को चुनौती दी है।

सितंबर-अक्टूबर के बीच देश के एयरपोर्ट पर हो सकता है आतंकी हमला

खुफिया एजेंसियों ने बीसीएएस और सीआईएसएफ को किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान फिर कुछ बड़ा करने की फिराक में है। इस बार पाकिस्तान के निशाने पर देश के एयरपोर्ट हैं। बीते दिनों खुफिया एजेंसियों ने बीसीएएस के साथ सीआईएसएफ को अलर्ट किया है। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर देश के सभी एयरपोर्ट की सुरक्षा को चाकचौबंद करने की कवायद शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में एयरपोर्ट सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तानी आतंकी समूह के खतरनाक मंसूबों के बारे में एयरपोर्ट सुरक्षा से जुड़ी सभी एजेंसियों को आगाह किया है। खुफिया एजेंसियों ने 22 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 के बीच एयरपोर्ट पर आतंकी हमले की आशंका जताई है। जिसके बाद 4 अगस्त को बीसीएएस ने आदेश जारी कर सभी एयरपोर्ट, हेलीपैड, हवाई पट्टियों, फ्लाइंग स्कूलों और ट्रेनिंग इंस्टीट्यूशन्स की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिए हैं कि 22 सितंबर से 2 अक्टूबर के दौरान आतंकी संगठन या असामाजिक तत्व कोई बड़ी साजिश रच सकते हैं। बीसीएएस ने सभी एयरपोर्ट को पुलिस, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) समेत सभी संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने को कहा है। अगर कोई नई जानकारी या अलर्ट मिलता है, तो उसे तुरंत सभी संबंधित पक्षों के साथ साझा करने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए बीसीएएस ने कई सख्त कदम उठाने के लिए भी कहा है।

बीसीएएस ने एयरपोर्ट पर काम करने वाले सभी स्टाफ, कांट्रेक्टर और आगंतुकों की पहचान करने को कहा है। इसके अलावा सभी सीसीटीवी कैमरों को लगातार चालू रखने और उनकी निगरानी करने के आदेश दिए हैं। ग्रे एरिया की पहचान कर खराब कैमरों को सही करने के निर्देश भी दिए हैं। बीएसएएस का यह आदेश न केवल एयरपोर्ट, बल्कि एयरलाइंस और अन्य विमानन सेवाओं से जुड़े सभी एजेंसियों पर भी लागू होगा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सामान और कार्गो की जांच को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं।

कबूतरों को दाना खिलाने पर रोक का मामला बना धार्मिक आस्था और जनस्वास्थ्य के बीच टकराव का कारण

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में कबूतरों को दाना खिलाने पर प्रतिबंध, धार्मिक आस्था और जनस्वास्थ्य के बीच एक बड़ा टकराव पैदा कर रहा है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने सार्वजनिक स्थानों और कबूतरखानों में दाना डालने पर सख्ती से रोक लगा दी है। कोर्ट का तर्क है कि कबूतरों की बढ़ती आबादी से श्वसन संबंधी बीमारियाँ फैल रही हैं और ऐतिहासिक इमारतों को भी नुकसान हो रहा है।

यह प्रतिबंध विशेष रूप से जैन और गुजराती समुदाय के लिए एक संवेदनशील धार्मिक मुद्दा बन गया है। जैन धर्म में कबूतरों को दाना खिलाना करुणा और अहिंसा का प्रतीक बताया जाता है, जो उनकी सदियों पुरानी परंपरा का हिस्सा है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ जैन धर्मगुरु नरेशचंद्र जी महाराज ने आमरण अनशन की घोषणा की है, और हजारों लोगों ने कोलाबा से गेटवे ऑफ इंडिया तक विरोध मार्च निकाला है। विवाद ने अब राजनीतिक रंग भी ले लिया है। भाजपा विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर प्रतिबंध पर फिर से विचार करने मांग की है। उन्होंने यह सवाल भी उठाया है कि क्या केवल कबूतरों को दाना डालना ही जनस्वास्थ्य संकट का एकमात्र कारण है। इसके बाद अब मुंबई प्रशासन के लिए जनस्वास्थ्य और धार्मिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। जहाँ न्यायालय का निर्णय वैज्ञानिक और स्वच्छता के दृष्टिकोण से सही लगता है, वहीं आदेश को लागू करते समय संवेदनशीलता और संवाद की आवश्यकता है।

तत्काल समाधान के तौर पर, स्थानीय निकायों को नियंत्रित और स्वच्छ कबूतरखानों की योजना बनानी चाहिए। इससे धार्मिक परंपरा भी बनी रहेगी और नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। मुंबई जैसे बहुसांस्कृतिक शहर में, किसी भी निर्णय को लागू करते समय सामाजिक और धार्मिक संवेदनशीलता का ध्यान रखना बेहद ज़रूरी है। यह मामला अब सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि धार्मिक अधिकार, प्रशासनिक आदेश, और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच की एक जटिल रेखा बन गया है।

अलर्ट: असम, बिहार, उत्तराखंड, और अन्य राज्यों में गंभीर बाढ़ की स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के हैलाकांडी जिले में धलेश्वरी नदी (घारमुरा) सुबह 6:00 बजे 29.74 मीटर पर थी, जो खतरे के निशान (28.05 मीटर) से 1.69 मीटर ऊपर है। इसी जिले में कटखल नदी (मतिजुरी) 20.73 मीटर पर बह रही है, जो खतरे के निशान (20.27 मीटर) से 0.46 मीटर ऊपर है। तिनसुकिया जिले में बुरिदेहिंग नदी (मार्गेरिटा) 134.55 मीटर पर है, जो खतरे के निशान (134.42 मीटर) से थोड़ा ऊपर है। इन नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने देश के कई राज्यों में नदियों के जलस्तर में खतरनाक वृद्धि के कारण बुलेटिन किया। 6 अगस्त को सुबह 6:39 बजे जारी बुलेटिन के अनुसार, असम, बिहार, उत्तराखंड, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, और पश्चिम बंगाल में कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे बाढ़ का गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

बिहार के कई जिलों में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बक्सर में गंगा 60.85 मीटर, पटना के दानापुर में 51.92 मीटर, दीघाघाट में 51.1 मीटर, गांधीघाट में 49.87 मीटर, और हथिदह में 42.74 मीटर पर है, जो सभी खतरे के निशान से ऊपर हैं। भोजपुर, भागलपुर और खगड़िया में भी गंगा का जलस्तर गंभीर स्थिति में है। इसके अलावा, बाया, बूढ़ी गंडक, कोसी, बागमती, पुनपुन, और धरधा जैसी सहायक नदियां भी खतरे के निशान को पार कर चुकी हैं। खगड़िया में कोसी नदी (बलतारा) 34.81 मीटर और कटिहार में 30.73 मीटर पर बह रही है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में अलकनंदा और मंदाकिनी नदियां गंभीर स्थिति में हैं। अलकनंदा (रुद्रप्रयाग) 627.6 मीटर और मंदाकिनी (गौरीकुंड) 1976.8 मीटर पर है। हरिद्वार में बाणगंगा और टिहरी गढ़वाल में भागीरथी नदी भी खतरे के निशान से ऊपर हैं। झारखंड के साहेबगंज में गंगा 27.74 मीटर पर बह रही है, जो खतरे के निशान से 0.49 मीटर ऊपर है। मध्य प्रदेश के दतिया में सिंध नदी, उत्तर प्रदेश के बदायूं और वाराणसी में गंगा और पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में गंगा (फरक्का) खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मुर्शिदाबाद में गंगा 23.04 मीटर पर है, जो खतरे के निशान से 0.79 मीटर ऊपर है।

ईडी की छापेमारीः 260 करोड़ की साइबर ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग का भंडाफोड़

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उत्तराखंड में एक बड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोह के खिलाफ छापेमारी की। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की गई, जिसमें दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून के कम से कम 11 ठिकानों को निशाना बनाया गया। सूत्रों के अनुसार, यह मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईई आर का है। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून जैसे शहरों में सक्रिय ठग भारतीय और विदेशी नागरिकों को पुलिस या जांच एजेंसियों के अधिकारी बनकर डराते थे और गिरफ्तारी के नाम पर उनसे पैसे ऐंठते थे। इसके अलावा, वे खुद को माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन की तकनीकी सहायता सेवाओं के एजेंट बताकर भी लोगों से ठगी करते थे। ईडी की जांच में पता चला है कि ठगों ने पीड़ितों की धनराशि को क्रिप्टोकरेंसी में बदल दिया था और इसे अपने पास ट्रांसफर कर लिया था। आरोपियों ने कई क्रिप्टो वॉलेट्स में लगभग 260 करोड़ की बिटकॉइन जुटाई थी, जिसे बाद में यूएसडीटी में बदलकर नकदी में तब्दील किया गया। यह लेन-देन कई हवाला ऑपरेटरों और यूएई में स्थित व्यक्तियों के माध्यम से किया गया।

कैस्ट्रॉल इंडिया की दूसरी तिमाही में आय 1,497 करोड़ रही

नई दिल्ली/एजेंसी

कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड ने साल 2025 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) और पहले छह महीनों (जनवरी-जून) के नतीजे जारी किए। कंपनी जनवरी से दिसंबर के बीच का`` वित्तीय वर्ष फॉलो करती है। दूसरी तिमाही में कैस्ट्रॉल इंडिया की कुल कमाई 1,497 करोड़ रही, जो पिछले साल इसी तिमाही की 1,398 करोड़ की तुलना में 7 फीसदी ज्यादा है। मुनाफा 5.1 फीसदी बढ़कर 244 करोड़ हो गया, जो पिछले साल 232.2 करोड़ था। वहीं एबी टिडा(कमाई से पहले का मुनाफा) 8.1 फीसदी बढ़कर 349.2 करोड़ पहुंच गया, जबकि पिछली बार यह 322.7 करोड़ था। ऐ बि टिडा मार्जिन भी थोड़ा सुधरकर 23.1 फीसदी से बढ़कर 23.3 फीसदी हो गया। कैस्ट्रॉल इंडिया ने साल 2025 के लिए 3.50 प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। यह डिविडेंड उन शेयरधारकों को मिलेगा जिनका नाम रिकॉर्ड डेट 11 अगस्त 2025 को रजिस्टर में दर्ज होगा। डिविडेंड का भुगतान 3 सितंबर बुधवार से पहले कर दिया जाएगा। कैस्ट्रॉल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि दूसरी तिमाही में हमारा कामकाज ठीक रहा और हमने पहली तिमाही की रफ्तार को बनाए रखा। गांवों में हमारा कारोबार बढ़ रहा है, इंडस्ट्रियल बिजनेस में नए ग्राहक जुड़ रहे हैं और बड़ी गाड़ियों और मशीनों की कंपनियों के साथ हमारा साथ और मजबूत हो रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में नहीं किया कोई बदलाव

- रेपो रेट 5.5 फीसदी पर बरकरार, बेहतर इकॉनॉ मिक की उम्मीद

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का फैसला किया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार सुबह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगस्त बैठक के नतीजों का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला किया गया है। वैश्विक स्तर पर चुनौतियां एवं टैरिफ को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। गवर्नर ने कहा कि फरवरी से अब तक 100 बेसिस प्वाइंट रेट कट हो चुका है। पॉलिसी दरों में कटौती पर ट्रांसमिशन जारी सभी सदस्यों ने न्यूट्रल रुख बरकरार रखा है। अे निश्चितता से दरों में ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने का फैसला सरकार को बेहतर इकॉनमी की उम्मीद है। एक सर्वे में 60 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि समिति यथास्थिति बनाए रखेगी। वहीं कम से कम 10 उत्तरदाताओं ने 25 आधार अंकों (बीपी) की ब्याज दर में कटौती का अनुमान जताया था। केंद्रीय बैंक इस साल फरवरी से अब तक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। इस साल जून की मौद्रिक नीति की बैठक में रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती की गयी थी। वहीं फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25-0.25 प्रतिशत की कमी की गयी थी। बता दें कि यह वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी द्विमासिक मॉनेटरी पॉलिसी है। इसके साथ ही तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक समाप्त हो गई। यह सोमवार, 4 अगस्त से शुरू हुई थी। ज्यादातर विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि आधार अंकों की कटौती के बाद रेपो दर को अपरिवर्तित रख सकती है। इस साल फरवरी और जून के बीच कुल 100 आधार अंकों की कटौती के साथ रेपो दर वर्तमान में 5.5 प्रतिशत है। रेपो रेट वह ब्याज दर होती है जिस पर भारतीय रिज़र्व बैंक कमर्शियल बैंकों को कर्ज देता है। यह दर सीधे ग्राहकों के कंज्यूमर को प्रभावित करती है।

ऐसा इसलिए क्योंकि जब रेपो रेट बढ़ता है, तो बैंक भी आमतौर पर अपने ऋणों की ब्याज दरें बढ़ा देते हैं। इससे होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन की ईएमआई महंगी हो जाती है। वहीं, यदि रेपो रेट घटती है, तो लोन सस्ते हो सकते हैं, लेकिन इससे सेविंग्स अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिटपर मिलने वाला ब्याज भी कम हो सकता है।

टेस्ला ने गुरुग्राम में खोला पहला इंटीग्रेटेड सर्विस सेंटर और रिटेल स्टोर

नई दिल्ली/एजेंसी

ग्लोबल इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता टेस्ला ने भारत में अपने विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए गुरुग्राम के सोहना रोड स्थित ऑर्किड बिज़नेस पार्क में 33,475 स्क्वायर फीट का कमर्शियल स्पेस लीज पर लिया है। यह स्थान कंपनी के दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के पहले इंटीग्रेटेड सर्विस सेंटर, डिलीवरी हब और कस्टमर रिटेल स्टोर के रूप में काम करेगा। टेस्ला ने यह लीज ग्रेवाल प्रापर्टीज, ओ र्किड इंफ्रास्टक्चर डेवलपर और सने सिटी रीयल स्टेट के साथ मिलकर साइन की है। लीज समझौता 28 जुलाई को रजिस्टर हुआ और 15 जुलाई 2025 से प्रभावी हो गया। कंपनी ने इस स्पेस के लिए 2.41 करोड़ का सिक्योरिटी डिपॉजिट और 40.17 लाख मासिक किराया तय किया है। यह लीज शुरुआती तीन वर्षों तक नॉन-टर्मिनेबल रहेगी और हर साल किराये में 4.75 फीसदी की वृद्धि होगी। टेस्ला को यह स्पेस 'बेर शेल' कंडीशन में मिला है, जिससे वह अपने अनुसार इंटीरियर डिजाइन और सेटअप कर सकेगी।

भारत को टैरिफ की धमकी दे रहे डोनाल्ड....द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन कर रहा देश में बंपर कमाई

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके परिवार का भारत से गहरा कारोबारी रिश्ता है। हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप परिवार का संगठन, द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन, भारत को अमेरिका के बाहर अपने सबसे बड़े बाज़ार के रूप में देखता है। द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन ने बीते 10 सालों में भारत में कई बड़े रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स शुरू किए हैं, जिसमें गुरुग्राम, पुणे, मुंबई और कोलकाता जैसे शहर शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट्स से संगठन ने 175 मिलियन (1450 करोड़ से ज़्यादा) से ज़्यादा की कमाई की है।

2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की जीत के बाद, उनके संगठन ने भारत में अपने कारोबार को और भी तेज़ी से बढ़ाया है। उन्होंने भारतीय पार्टनर ट्रिबेका डेवलपर्स के साथ मिलकर छह नए प्रोजेक्ट्स का ऐलान किया है, जिनकी कुल बिक्री 1.8 बिलियन डॉलर (15,000 करोड़) से ज़्यादा होने की उम्मीद है। ये प्रोजेक्ट्स पुणे, गुरुग्राम, हैदराबाद, मुंबई, नोएडा और बेंगलुरु जैसे शहरों में बनाए जा रहे हैं।

बात दें कि द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन सीधे तौर पर निर्माण में पैसे नहीं लगाता। इसके बजाय, वह अपने ब्रांड का इस्तेमाल करने की अनुमति देता है, जिसके बदले में द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन को प्रोजेक्ट की बिक्री से 3 से 5 प्रतिशत तक का हिस्सा मिलता है। इस मॉडल के चलते, ट्रंप ब्रांड के लग्ज़री फ्लैट्स की कीमतें ज़्यादा होती हैं, जिससे संगठन को बड़ा मुनाफ़ा होता है।

एक ओर जहां राष्ट्रपति ट्रंप अपनी राजनीतिक रैलियों में भारत को डेड इकोनॉमी बताते हैं और टैरिफ लगाने की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर उनके परिवार का भारत के साथ व्यापारिक संबंध लगातार मजबूत हो रहा है। यह दिखाता है कि उनकी राजनीतिक बयानबाजी और उनके कारोबारी हित दोनों अलग-अलग हैं। इतना ही नहीं ट्रंप के बेटे एरिक और डोनाल्ड ट्रंप जूनियर भी इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि भारत उनके संगठन के लिए सबसे बड़ा विस्तार वाला बाज़ार है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ ही 87.77 पर बंद हुआ। वहीं रुपया मंगलवार को 87.78 पर बंद हुआ था। शुरुआती कारोबार में रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.72 पर खुला। फिर थोड़ी गिरावट के साथ 87.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया मंगलवार को अपने सर्वकालिक निम्न स्तर पर पहुंच गया और 22 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.88 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ 98.71 पर आ गया।

भारत में डीमैट खातों की संख्या 20 करोड़ के पार

नई दिल्ली । भारत में शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड जैसे निवेश माध्यमों की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से देश में डीमैट खातों की संख्या पहली बार 20 करोड़ के पार पहुंच गई है। सीडीएसएल और एनएसडीएल के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 31 जुलाई 2025 तक सीडीएसएल के पास 16.1 करोड़ डीमैट खाते थे, जबकि एनएसडीएल के पास 30 जून 2025 तक 4.05 करोड़ खाते दर्ज थे। इन आंकड़ों को मिलाकर कुल डीमैट खातों की संख्या 20.16 करोड़ तक पहुंच गई है, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि इस वृद्धि के पीछे मुख्य रूप से 30 वर्ष से कम उम्र के युवा निवेशकों की भागीदारी है। उनके अनुसार, उनके प्लेटफॉर्म पर लगभग 75 फीसदी नए खाते युवा निवेशकों द्वारा खोले गए हैं। यह दर्शाता है कि युवा वर्ग अब निवेश के प्रति ज्यादा जागरूक और सक्रिय हो रहा है। हालांकि, नए डीमैट खाते खुलने की गति 2025 में कुछ धीमी हुई है। जहां 2024 में प्रति माह औसतन 30 से 46 लाख नए खाते खुलते थे, वहीं इस वर्ष यह संख्या घटकर 20 से 28 लाख प्रति माह रह गई है।

एमएंडबी इंजीनियरिंग का शेयर बाजार में आठ प्रतिशत चढ़ा

- लिस्टिंग के कुछ ही समय बाद शेयर में तेजी देखी गई

नई दिल्ली । देश की प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनियों में से एक एमएंडबी इंजीनियरिंग लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत की। कंपनी का शेयर एनएसई पर अपने निर्गम मूल्य 385 पर सूचीबद्ध हुआ, जबकि बीएसई पर यह मामूली बढ़त के साथ 386 पर खुला। लिस्टिंग के कुछ ही समय बाद शेयर में तेजी देखी गई और यह एनएसई पर 415.60 तथा बीएसई पर 413.70 तक पहुंच गया, जो क्रमशः 7.74 फीसदी और 7.45 फीसदी की बढ़त को दर्शाता है। कंपनी का कुल बाजार पूंजीकरण बीएसई पर 2,379.94 करोड़ रहा। एमएंडबी इंजीनियरिंग के 650 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी और इसे अंतिम दिन तक 36.2 गुना अधिक अभिदान प्राप्त हुआ। यह आईपीओ 275 करोड़ के नए शेयर और 375 करोड़ की ओएफएस (ऑफर फॉर सेल) का संयोजन था। शेयर का मूल्य दायरा 366 से 385 प्रति शेयर तय किया गया था। कंपनी ने अपने आईपीओ से पहले एंकर निवेशकों से लगभग 292 करोड़ जुटाए थे। जुटाई गई राशि का उपयोग कंपनी द्वारा उपकरण व मशीनरी की खरीद, ऋण भुगतान, कार्यशील पूंजी और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। तेजी से लिस्टिंग और भारी अभिदान से स्पष्ट है कि निवेशकों को कंपनी के भविष्य की वृद्धि क्षमता और इंजीनियरिंग सेक्टर में उसकी भूमिका पर पूरा भरोसा है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुंबई/एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई । आज कारोबार के दौरान आईटी और फार्मा शेयरों में हुई भारी गिरावट से भी बाजार पर दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 166.26 अंक नीचे आकर 80,543.99 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.35 अंक फिसलकर 24,574.20 अंक पर आ गया। आज रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बनाये रखा जिससे भी कई क्षेत्रो में गिरावट दर्ज की गयी और बाजार लाल निशान पर बंद हुए।

आज के बाजार में सेंसेक्स कंपनियों में से इन्फोसिस, सन फार्मास्युटिकल्स, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे जबकि अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, बीईएल और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर उछले।

इससे पहले आज सुबह आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति एमपीसी ने रेपो रेट को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर बनाए रखने का ऐलान किया। इस घोषणा के बाद सेंसेक्स लगभग 116 अंक गिरकर 80,600 के स्तर पर पहुंच गया। जबकि एनएसई निफ्टी50 इंडेक्स 50 अंक की गिरावट के साथ 24,600 के स्तर पर आ गया। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि कोर महंगाई दर 4 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि सामान्य से बेहतर दक्षिण-पश्चिम मानसून और अन्य अनुकूल परिस्थितियां देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन देना जारी रखे हुए हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक नई चेतावनी जारी करते हुए कहा कि वह अगले 24 घंटों में टैरिफ में 'काफी भारी' बढ़ोतरी करेंगे क्योंकि भारत रूसी तेल खरीद रहा है। ट्रंप ने आगे कहा कि भारत ÷एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं है। वहीं वॉल स्ट्रीट के साथ एशियाई शेयर बाजार में भी बुधवार को गिरावट दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.61 फीसदी बढ़कर 8,824 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

इस बीच, जापान का निक्केई 225 0.12 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.64 फीसदीनीचे रहा। अमेरिका में मंगलवार को वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए।

श्री लोटस डेवलपर्स का शेयर 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड का शेयर बुधवार को अपने आईपीओ निर्गम मूल्य 150 रुपये से 19 फीसदी से अधिक बढ़त के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 179.10 रुपये पर खुला और बाद में 183.40 रुपये तक पहुंच गया, जो 22.27 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। एनएसई पर भी शेयर 178 रुपये पर खुला और 183.70 रुपये पर कारोबार करने लगा। कंपनी का एनएसई पर बाजार मूल्यांकन 8,971 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने 792 करोड़ रुपये के आईपीओ में पूरी तरह नए शेयर जारी किए, जिसमें कोई ऑफर फॉर सेल नहीं था। आईपीओ को 69.14 गुना अभिदान मिला था। इस सफलता से कंपनी के भविष्य और निवेशकों के भरोसे को मजबूती मिली है।

देश के नागरिकों का हित और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकताः संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान कहा कि देश के नागरिकों का हित और कल्याण आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से समाज के निचले तबके के लोगों को ध्यान में रखते हुए कई योजनाएं लागू की जा रही हैं। मल्होत्रा ने बताया कि वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1 जुलाई से 30 सितंबर तक देशभर के पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में लोगों को नए बैंक खाते खोलने, केवाईसी दोबारा कराने और बीमा व पेंशन योजनाओं से जोड़ने का अवसर मिलेगा। साथ ही, ग्राहक शिकायतों का समाधान भी मौके पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जन-धन योजना के 10 वर्ष पूरे होने के बाद बड़ी संख्या में खातों की केवाईसी प्रक्रिया दोबारा की जा रही है, जिससे कुछ खाते बंद हुए हैं। इसलिए, आम जनता की सुविधा के लिए स्थानीय स्तर पर बैंकिंग सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

भारत में पेरासिटामोल पर प्रतिबंध नहीं: अनुप्रिया पटेल

- पेरासिटामोल के कुछ फिक्स्ड डोज़ पर प्रतिबंध लगाया गया है

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने संसद के मानसून सत्र के दौरान पेरासिटामोल दवा पर प्रतिबंध को लेकर उठे सवालों का जवाब दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने भारत में आमतौर पर उपयोग की जाने वाली पेरासिटामोल दवा पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है। हालांकि, पेरासिटामोल के कुछ फिक्स्ड डोज़, जो अन्य दवाओं के साथ संयोजन में आते हैं, उन पर प्रतिबंध लगाया गया है। अनुप्रिया पटेल ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस संबंध में अफवाहों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि देश में पेरासिटामोल प्रतिबंधित नहीं है और यह दवा सामान्य रूप से उपलब्ध है। इसके साथ ही, राज्य मंत्री ने सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत शुरू की गई मुफ्त दवा सेवा पहल की जानकारी दी। इस पहल का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों, ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों समेत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और मरीजों के जेब खर्च को कम करना है। इस योजना के तहत राज्यों को निःशुल्क दवाओं के प्रावधान के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। सरकार दवाओं की खरीद, गुणवत्ता आश्वासन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ऑडिटिंग और शिकायत निवारण जैसी प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए कड़ी व्यवस्था कर रही है। साथ ही औषधि एवं टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली नामक सूचना प्रौद्योगिकी प्लेटफ़ॉर्म की मदद से आवश्यक दवाओं की खरीद और उपलब्धता की निगरानी की जा रही है। सरकारी अस्पतालों और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 697 दवा फॉर्मूलेशन के लिए सक्रिय दर अनुबंध भी बनाए गए हैं। इससे देशभर में आवश्यक दवाओं की गुणवत्तापूर्ण और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

ऑल टाइम प्लास्टिक्स लिमिटेड ला रही है आईपीओ

- 7-11 अगस्त तक पैसा लगाने का मौका

मुंबई । प्लास्टिक के घरेलू और किचन सामान बनाने वाली जानी-मानी कंपनी ऑल टाइम प्लास्टिक्स लिमिटेड अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) ला रही है। कंपनी ने आईपीओ के लिए 260 से 275 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह आईपीओ 7 अगस्त से 11 अगस्त तक खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशकों के लिए यह 6 अगस्त को ही खुल जाएगा। कंपनी इस इश्यू के ज़रिए बाजार से 400.60 करोड़ तक की राशि जुटाने की योजना बना रही है। इस रकम का उपयोग कंपनी विस्तार, ऋण चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों के लिए करेगी।

सरला एविएशन ने राजीव बंसल को सलाहकार नियुक्त किया

मुंबई । बेंगलुरु स्थित एयर टैक्सी स्टार्टअप सरला एविएशन ने बुधवार को पूर्व नागर विमानन सचिव राजीव बंसल को अपना सलाहकार नियुक्त करने की घोषणा की है। कंपनी की ओर से जारी बयान में बताया गया कि बंसल अब नियामकीय सेवाओं और प्रमाणन से जुड़ी रणनीति के विकास में कंपनी का मार्गदर्शन करेंगे। राजीव बंसल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के तहत लगभग 35 वर्षों तक विभिन्न पदों पर कार्य किया है। वे अगस्त 2023 में सेवा से सेवानिवृत्त हुए और अपने कार्यकाल के दौरान एयर इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी रहे हैं। उनके पास विमानन क्षेत्र का गहरा अनुभव और नीतिगत समझ है, जो अब सरला एविएशन के काम आएगी।

बुमराह के बिना भारत की जीत महज संयोग : तेंदुलकर

तारीफ

- **बुमराह की गेंदबाजी असाधारण है। वह अब तक जो कर पाए हैं, वह अविश्वसनीय है।**

मुंबई, एजेंसी। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का मानना है कि जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारत का इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट जीतना महज 'संयोग' था और यह करिश्माई तेज गेंदबाज अब भी 'असाधारण और अविश्वसनीय' है।

बुमराह हाल में इंग्लैंड में खत्म हुई पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में से तीन मैच में ही खेले थे। श्रृंखला में कम अनुभव वाली भारतीय टीम इसके बावजूद इंग्लैंड से 2-2 से ड्रॉ खेलने में कामयाब रही। भारतीय टीम ने जो दो मैच जीते उनमें कार्यभार प्रबंधन योजना के कारण बुमराह का नहीं खेलना पहले से ही तय था।

तेंदुलकर ने कहा कि बुमराह की अनुपस्थिति में बर्मिंघम और द ओवल में भारत की जीत महज संयोग थी। उन्होंने बुमराह के तीन टेस्ट मैच में प्रदर्शन के बारे में बात की। इस तेज गेंदबाज ने श्रृंखला में कुल 14 विकेट लिए।

तेंदुलकर ने 'रेडिट' पर श्रृंखला के अपने वीडियो विश्लेषण में कहा, ''बुमराह ने सही में अच्छी शुरुआत की, पहले टेस्ट (पहली पारी में) में पांच विकेट लिए। वह दूसरा टेस्ट नहीं खेले लेकिन तीसरे और चौथे टेस्ट में खेले। फिर इन दो टेस्ट में से एक में उन्होंने पांच विकेट झटके।''

उन्होंने कहा, ''बुमराह ने जो तीन टेस्ट खेले, उनमें से दो में उन्होंने पांच विकेट लिए। मुझे पता है कि लोग कई बातों पर चर्चा कर रहे हैं कि हम उन टेस्ट मैच में जीते जिनमें वह नहीं खेले। मुझे लगता है कि यह महज एक संयोग है।''

तेंदुलकर ने कहा, ''बुमराह की गेंदबाजी असाधारण है। वह अब तक जो कर पाए हैं, वह अविश्वसनीय है। इसमें कोई शक नहीं है कि वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और मैं उन्हें किसी भी अन्य गेंदबाज से बेहतर मानता हूं।''

बुमराह की अनुपस्थिति में मोहम्मद सिराज ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और सभी पांच मैच में खेले जिसमें उन्होंने 185.3 ओवर गेंदबाजी करते हुए 23 विकेट झटके। बुमराह आंकड़ों के हिसाब से सिराज से कहीं आगे हैं। उन्होंने 48 टेस्ट मैच में 219 विकेट लिए हैं जबकि सिराज के 41 मैच में 123 विकेट हैं।

योजना के अनुसार बुमराह की पांचवें और अंतिम टेस्ट में अनुपस्थिति उनके कार्यभार प्रबंधन को लेकर कुछ सवाल जरूर खड़े करती है लेकिन टीम प्रबंधन ने स्पष्ट कर दिया था कि इस शीर्ष तेज गेंदबाज के संबंध में जोखिम नहीं लिया जा सकता था।

तेंदुलकर ने ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की जमकर तारीफ की जिन्होंने पूरे मैच में टीम की जीत में अहम योगदान दिया। उन्होंने कहा, ''वह जब भी खेला है, उसने योगदान दिया है। अगर आप दूसरे टेस्ट मैच में देखें तो चौथी पारी में उसने पांचवें दिन लंच से ठीक पहले बेन स्टोक्स को शानदार गेंद पर आउट कर दिया। मुझे लगता है कि यह 'टर्निंग प्वाइंट' था।''

तेंदुलकर ने कहा, ''आखिरी टेस्ट में जब बल्लेबाजी का समय आया तो उन्होंने शानदार शॉट्स लगाते हुए 53 रन बना दिए। उन्होंने बेहतरीन रन गति बनाए रखी।'' उन्होंने कहा, ''जब क्रीज पर डटे रहने की जरूरत थी तो वह चौथे टेस्ट में ऐसा करने में सफल रहे। जब तेजी से रन जुटाने की जरूरत थी तो उन्होंने पांचवें टेस्ट में ऐसा किया। 'वैल डन, वाशी'। मुझे सच में बहुत मजा आया।''

मुंबई के इस दिग्गज खिलाड़ी ने मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की ड्रॉ की पेशकश पर भारत के इनकार पर भी बात की। उनका मानना था कि रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन को अपने शतक बनाने का पूरा अधिकार था और यह मालूम होने के बाद कि ड्रॉ ही संभावित परिणाम है तो खेल जारी रखने का फैसला पूरी तरह से सही भावना में लिया गया था। उन्होंने कहा, ''लोग चौथे टेस्ट मैच के बारे में बात कर रहे हैं कि क्या वाशिंगटन और जडेजा के शतक सही भावना से लगाए गए थे? ऐसा क्यों नहीं होना चाहिए? वे ड्रॉ के लिए खेल रहे थे।''

तेंदुलकर ने कहा, ''इससे पहले इंग्लैंड ने दबाव बनाया हुआ था। इसके बावजूद अगर कोई बल्लेबाज बल्लेबाजी कर रहा है। अगर वह दिन के खेल के अंत तक भी बल्लेबाजी कर रहा है। इसके बाद दोनों ने शतक बनाए और तब सीरीज जीवंत थी।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें ड्रेसिंग रूम जाकर इंग्लैंड के क्षेत्ररक्षकों और गेंदबाजों को आराम क्यों देना चाहिए? अगर वे हैरी ब्रुक या किसी और को गेंदबाजी कराना चाहते हैं तो यह बेन स्टोक्स की पसंद है, यह भारत की समस्या नहीं है।''

तेंदुलकर ने स्टोक्स के इस स्पष्टीकरण को भी खारिज कर दिया कि उन्होंने अपने गेंदबाजों को आराम देने के लिए मैच जल्दी खत्म करने की मांग की थी। उन्होंने पूछा, ''पांचवें टेस्ट मैच में इंग्लैंड के गेंदबाजों को तरोताजा क्यों होना चाहिए?'' तेंदुलकर ने कहा, ''इंग्लैंड के क्षेत्ररक्षकों को तरोताजा क्यों होना चाहिए? क्या आपके पास कोई जवाब है? इसका कोई जवाब नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''मैं पूरी तरह से भारतीय टीम के साथ हूं। चाहे वह (गौतम) गंभीर हो या शुभमन (गिल) या जडेजा और वाशिंगटन, उन्होंने फैसला किया और मैं शत प्रतिशत उनके साथ हूं।

आने वाले समय में बुमराह को एक ही प्रारुप में उतार सकता है बीसीसीआई

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आने वाले समय में केवल सीमित ओवरों में ही खेलते दिख सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुमराह को फिट बनाये रखने के लिए ही उन्हें इंग्लैंड दौर में तीन टेस्ट मैचों में ही उतारा था। वहीं कई दिग्गजों का मानना है कि बुमराह के महत्व हो देखते हुए प्रबंधन और बोर्ड को तय करना होगा कि उनका बेहतर उपयोग किया प्रकार किया जाये। जिस प्रकार से इंग्लैंड दौरे में मोहम्मद सिराज, आकाशदीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने अच्छा प्रदर्शन किया उससे तय है कि अब ये बुमराह के बिना भी भारतीय टीम को जीत दिला सकते हैं, ऐसे में अब एशिया कप, टी-20 और एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए बुमराह को तैयार रखने की जरुरत है। आने वाले समय में भारतीय टीम को वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज खेलनी है पर इसमें बुमराह की अधिक जरुरत नहीं है। ऐसे में उन्हें बड़े मुकाबलों के लिए बचाकर रखा जाएगा। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'ऐसे में ये संभव है कि बुमराह को अब आने वाले समय में सफेद गेंद प्रारुप ही ही अधिक ध्यान देने कहा जाये। अगले दो साल में उनके खेलने के लिए पर्याप्त टी-20 और एकदिवसीय मैचों के साथ ही आईपीएल भी है। ऐसे में सभी प्रारूपों में कुछ मैच खेलने की जगह उन्हें एक ही प्रारूप में सभी मैच खेलने देना चाहिये जिससे वह तरोताजा बने रहेंगे जिसका लाभ टीम को मिलेगा।

सचिन ने शुभमन की जमकर प्रशंस की

मुंबई, एजेंसी। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। सचिन ने कहा कि भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ जिस प्रकार की निरंतरता कप्तानी के साथ ही रन बनाने में दिखायी है वह सराहनीय है। उन्होंने अच्छी गेंदों का सम्मान करते हुए बड़ी पारियां खेलीं। शुभमन ने कप्तान के तौर पर टेस्ट सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने का सुनील गावस्कर का 732 रनों का रिकॉर्ड भी तोड़ा। अब इस मामले में शुभमन से आगे केवल ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमेन 810 रन हैं। शुभमन गिल दूसरे स्थान पर हैं हालांकि वह गावस्कर के एक टेस्ट सीरीज में 774 रनों के रिकार्ड को तोड़ने में विफल रहे। उनकीकप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड से 2-2 से सीरीज बराबर करने में सफल रही है। तेंदुलकर ने कहा, 'शुभमन ने पूरी सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की। अच्छी बल्लेबाजी के लिए सोच में स्पष्टता और रणनीति होना जरूरी है। उनकी सोच में निरंतरता बनी हुई थी जो उसके फुटवर्क में दिखी। बल्लेबाजी में उनका नियंत्रण बरकरार था। उन्होंने अच्छी गेंदों का सम्मान किया।' वहीं सचिन ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की सराहना करते हुए कहा, 'मुझे उनका रवैया पसंद आया। वे विकेट लें या नहीं उनका रवैया हमेशा ही एक सा रहता है।' सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में सबसे अधिक 23 विकेट लिए थे।

संक्षिप्त

सीएबी के अध्यक्ष बन सकते हैं गांगुली

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली अब बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष बन सकते हैं। गांगुली इसके लिए चुनाव लड़ सकते हैं। गांगुली साल 2014 में सीएबी के सचिव रहे थे। वह साल 2019 में आम राय से बीसीसीआई अध्यक्ष बने थे। रिपोर्ट्स के अनुसार गांगुली पिछले कुछ माह से नियमित रूप से सीएबी के सदस्यों से बातचीत कर रहे हैं। सीएबी में भी गांगुली की वापसी को लेकर उत्साह का माहौल है। सीएबी के एक अधिकारी ने कहा, 'वह प्रशासन में लौटना चाहते हैं। उन्होंने सीएबी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने का फैसला किया है। वहीं बीसीसीआई के संविधान के अनुसार उनके पास राज्य में कुल नौ साल में से पांच साल बचे हैं। ऐसे में वह सर्वसम्मति से चयनित होंगे या नहीं ये अभी तय नहीं है।

अगली योजना पर काम कर रहा हूं : बुमराह

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम की इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम टेस्ट में जीत के बाद मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने खुशी जतायी है और कहा है कि अब वह अपनी अगली योजना पर काम कर रहे हैं। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 में से 3 ही मैच खेले थे। ओवल में हुए अंतिम मैच में भी वह टीम में नहीं थे। अंतिम मैच में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने 9 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। साथ ही कहा था कि अगर बुमराह भी साथ होते तो जीत की खुशी और बढ़ जाती। वहीं बुमराह ने लिखा, 'हम बेहद कड़े मुकाबले के बाद बराबरी पर रही रोमांचक टेस्ट सीरीज से अच्छी यादें लेकर आए हैं। अब मैं अपनी अगली योजना पर काम कर रहा हूं।' बुमराह इस पोस्ट के बाद कई ट्रोलर्स ने जबरन विवाद पैदा करने का काम भी किया। इन ट्रोलर्स का कहना था कि बुमराह ने अपनी पोस्ट में सिराज के प्रदर्शन की तारीफ नहीं की है।

युवा मामले और खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय ध्वज पर क्विज शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी। युवा मामले और खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय ध्वज पर एक ऑनलाइन क्विज शुरू की है और 21 से 29 वर्ष की आयु वर्ग के 25 शीर्ष स्कोरर प्रतिभागियों को खेल मंत्री मनसुख मांडविया के साथ सियाचिन जाने का अवसर मिलेगा। मंत्रालय के अनुसार यह क्विज देशभक्ति को बढ़ावा देगी और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता बढ़ाएगी। मंत्रालय ने कहा, ''माईभारत पोर्टल (माईभारत.जीओवी.इन) पर आयोजित यह ऑनलाइन क्विज सभी नागरिकों को इसमें भाग लेने और तिरंगे के बारे में अपने ज्ञान का परीक्षण करने के लिए आमंत्रित करती है।'' इसमें बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे और सभी प्रतियोगियों को एक ई-प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

टॉम लैथम जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर

बुलावायो, एजेंसी। आईसीसी के अनुसार न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टॉम लाथम कंधे की चोट के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं। लाथम बाएँ कंधे की चोट के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर हो गए थे और रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे थे, लेकिन दो टेस्ट मैचों की सीरीज के निर्णायक मैच के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए। पहले टेस्ट में नौ विकेट से शानदार जीत हासिल करने के बाद न्यूज़ीलैंड सीरीज़ में 1-0 से आगे है। उनकी जगह मिशेल सैंटनर टीम की कमान संभालेंगे, जिन्होंने शेवरॉन के खिलाफ पहले मैच में ब्लैक कैप्स की कप्तानी की थी। मेहमान टीम तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के और ऑलराउंडर नाथन स्मिथ की सेवाओं के बिना खेलेगी, दोनों पहले टेस्ट मैच में खेले थे, लेकिन दूसरे टेस्ट मैच से पहले चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे।

मेसी को आमंत्रित करने पर केरल सरकार के 13 लाख बेकार

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। अर्जेंटीना के विश्व प्रसिद्ध फुटबॉलर लियोनल मेसी को राज्य में लाने से संबंधित केरल सरकार का एक दावा भ्रामक साबित हुआ है। केरल सरकार ने दावा किया था कि लियोनल मेसी को लाने के लिए सार्वजनिक धन का उपयोग नहीं किया गया है, जो गलत साबित हुआ है।

दरअसल, केरल के खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान सितंबर 2024 में मेसी को आमंत्रित करने के उद्देश्य से स्पेन गए थे। उनके साथ खेल विभाग के सचिव और खेल एवं युवा मामलों के निदेशक भी थे। इस यात्रा पर 13 लाख रुपए खर्च हुए थे। यह खुलासा खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान के उस बयान का खंडन करता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि लियोनल मेसी को केरल आमंत्रित करने में सरकार को 'एक रुपया' भी खर्च नहीं करना पड़ेगा।

इस सप्ताह की शुरुआत में खेल मंत्री ने कहा था कि लियोनल मेसी सहित अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम केरल दौरे पर नहीं आएगी। अर्जेंटीना टीम ने अक्टूबर में राज्य की यात्रा में आने वाली कठिनाइयों का हवाला दिया था।

इससे पहले दिए एक बयान में खेल मंत्री ने कहा था कि अर्जेंटीना टीम के अक्टूबर या नवंबर में केरल आने की संभावना है। उन्हें राजकीय अतिथि माना जाएगा। राज्य सरकार खिलाड़ियों की सुरक्षा, आवास और अन्य व्यवस्थाओं का खर्च उठाएगी।

अर्जेंटीना फुटबॉल टीम विश्व की सर्वाधिक लोकप्रिय और सफल टीमों में से एक है। केरल के मलप्पुरम और कोझिकोड में भी टीम को बड़ा समर्थन मिलता है। 2022 में जब अर्जेंटीना ने विश्व कप जीता था, उस समय भी प्रशंसकों में जोश दिखा था। यही वजह है कि मलप्पुरम के मूल निवासी खेल मंत्री मेसी को केरल लाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे थे।

केरल में दिसंबर में निकाय चुनाव होने हैं और अगले साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं। सूत्रों के मुताबिक, मेसी को आमंत्रित करने के पहले केरल सरकार की राजनीतिक मंशा थी। खेल मंत्री का बयान झूठा साबित होने के बाद राज्य सरकार को विपक्षी पार्टियों भाजपा-कांग्रेस के विरोध का सामना करना पड़ रहा

अगले 15 से 20 साल सीएसके के साथ ही रहेंगे धोनी

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा है कि वह आगे भी टीम के साथ ही बने रहेंगे। धोनी ने कहा कि अगले 15 से 20 साल तक वह सीएसके के साथ ही रहेंगे भले ही खेलें या नहीं। धोनी की इस बात से साफ है कि वह अगले सत्र में अगर नहीं खेलते हैं तो कोच या मेंटॉर के तौर पर भी पीली जर्सी में ही दिखेंगे। धोनी ने कहा कि वह और सीएसके साथ-साथ हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि सीएसके और उनका साथ सिर्फ खिलाड़ी के तौर पर ही नहीं है। बढ़ती उम्र को देखते हुए पिछले कुछ साल से धोनी के खेल से संन्यास की अटकलें लगायी जा रही हैं। इसी को लेकर धोनी ने मुस्कुराते हुए कहा, मैं और सीएसके, हम साथ-साथ हैं। यह एक या दो साल के लिए नहीं है। मैं हमेशा पीली जर्सी में बैठा मिलूंगा। मैं भले ही खेलूं या नहीं। 44 साल के हो रहे धोनी पिछले सत्र में घुटने की चोट के कारण काफी परेशान रहे थे और निचले क्रम पर उतरे थे। वहीं आईपीएल 2024 के समय भी ऐसी अटकलें लगी थीं कि धोनी वो सत्र नहीं खेलेंगे पर वह घुटने की समस्या से बहुत जल्दी उबरे। इतना ही नहीं, आईपीएल 2025 में सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ जब कोहनी की चोट की वजह से बाहर हुए तब धोनी ने एक बार फिर कप्तानी संभाली। हालांकि, पिछला सत्र सीएसके के लिए अच्छा नहीं रहा था। आईपीएल की सबसे सफल टीमों में शामिल सीएसके 14 मैच में सिर्फ 4 ही जीत सकी थी और अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। धोनी ने पिछले सत्र में चेन्नई में एक निजी समारोह के दौरान कहा था कि चेन्नई की टीम रुतुराज को ही टीम में बनाए रखेगी। उन्होंने कहा, 'हम अपने बल्लेबाजी क्रम को लेकर थोड़े चिंतित थे पर मुझे लगता है कि अब हमारा बल्लेबाजी क्रम काफी व्यवस्थित है। गायकवाड़ वापसी करेंगे। उन्हें चोट लगी थी।

भारत दौरे के लिए सैम कोंस्टॉस ऑस्ट्रेलिया ए टीम में

सिडनी, एजेंसी। सितंबर में ऑस्ट्रेलिया ए की टीम भारत का दौरा करने वाली है। इसको लेकर ऑस्ट्रेलिया ए टीम का ऐलान भी हो चुका है। इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए को वनडे और चार दिवसीय टेस्ट मैच की सीरीज खेलनी है। ऑस्ट्रेलिया ए के स्क्वाड में सीनियर टीम के एक खिलाड़ी को शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया का ध्यान 2027 की शुरुआत में अगले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी दौरे के लिए उभरते खिलाड़ियों को तैयार करने पर है।

शुभमन गिल को उत्तर क्षेत्र की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज में बतौर कप्तान शानदार आगाज करने वाले शुभमन गिल को नई जिम्मेदारी मिली है। गिल की अगुआई में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबर की थी। इसके बाद गिल को महीने के अंत में 2025-26 के घरेलू सत्र की शुरुआत करने वाली दलीप ट्रॉफी के जरिए नॉर्थ जोन की टीम की कमान संभालेंगे।

6 टीमों के क्षेत्रीय प्रारूप में टूर्नामेंट की वापसी के साथ, गिल के साथ पंजाब और हरियाणा के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और अंशुल कंबोज भी शामिल होंगे, जो इंग्लैंड गई भारतीय टेस्ट टीम में शामिल थे।

इस टीम ने हाल ही में ओवल में छह रनों की नाटकीय जीत के साथ इंग्लैंड दौरे का शानदार अंत किया था।

दलीप ट्रॉफी की शुरुआत 28 अगस्त से बेंगलुरु में होगी। ऐसे में अगर गिल इस टूर्नामेंट में उतरते हैं तो फिर शायद ही वो एशिया कप में खेलें। एशिया कप टी20 फॉर्मेट में 9 सितंबर से यूएई में खेला जाएगा। दलीप ट्रॉफी का फाइनल 11 सितंबर से खेला जाएगा। गिल ने जुलाई 2024 के बाद से टी20 मैच नहीं खेला है।

टेनिस — **कनाडा की एमबोको रायबाकिना को हराकर बैंक ओपन के फाइनल में जगह बनाई**

विक्टोरिया के पहले खिताब की राह में ओसाका

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। कनाडा की 18 वर्षीय विक्टोरिया एमबोको एक और उलटफेर भरी जीत के साथ पहली बार डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंच गई। दुनिया की 85वें नंबर की खिलाड़ी विक्टोरिया ने बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में बुधवार को तीन सेट तक चले मुकाबले में एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए नौवीं वरीय एलेना रायबाकिना को 1-6, 7-5, 7-6 से पराजित किया। यह मुकाबला दो घंटे 45 मिनट तक चला।

विक्टोरिया ओपन युग में एक डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट तीन ग्रैंड स्लैम विजेता खिलाड़ियों को मात देने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं। रायबाकिया से पहले उन्होंने कोको गफ और सोफिया केनिन को मात दी थी। खिताब के लिए विक्टोरिया का सामना जापान की नाओमी ओसाका से होगा। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका ने डेनमार्क की कार्ला टॉसन को 6-2, 7-6 से शिकस्त देकर तीन साल बाद किसी टूर्नामेंट फाइनल का टिकट कटाया।

तो विक्टोरिया बनेंगी तीसरी खिलाड़ी : विक्टोरिया अगर शुक्रवार को खिताब जीतने में सफल रहती हैं तो वह ओपन युग में यह ट्रॉफी जीतने वाली अपने देश की चौथी खिलाड़ी बना जाएंगी। इससे पहले फाये उरबन (1969) और बियांका आंद्रीस्क्यू (2019) यह खिताब जीत चुकी हैं। वहीं वह फाइनल में पहुंचने वाले चौथी और अपने देश की सबसे युवा खिलाड़ी हैं।

दस साल में पहली : वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने के बाद इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने विक्टोरिया पिछले दस साल में पहली जबकि ओपन युग में तीसरी खिलाड़ी हैं। वह मोनिका सेल्स (1995) और सिमोना हालेप (2015) के क्लब में शामिल हो गईं। अपने पहले ही डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली भी तीसरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले कैरोलीन डोलेहाइड (गुआडालाजारा 2023) और अन्ना कालिंस्काया (दुबई 2024) ने ऐसा किया था।

खाचानोव ने ज्वेरेव को किया बाहर अब शेल्टन से टक्कर रूस के 11वें वरीय कारेन खाचानोव ने शीर्ष वरीय जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को उलटफेर का शिकार बनाकर फाइनल में जगह बनाई। खाचानोव ने ज्वेरेव को 6-3, 4-6, 7-6 से पराजित किया। एटीपी टूर पर सात बार के विजेता खाचानोव सामना अब अमेरिका के बेन शेल्टन से होगा। चौथी वरीयता प्राप्त शेल्टन ने हमवतन टेलर फ्रिट्ज को 6.4, 6-3 से हराकर पहली एटीपी मास्टर्स 1000 के फाइनल में प्रवेश किया। शेल्टन की यह टेलर पर दो मुकाबलों में पहली जीत है।

सचिन ने बताया स्वीप शॉट खेलते समय ऋषभ के गिरने का कारण

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अक्सर स्वीप शॉट खेलते समय गिर जाते हैं। इसी को लेकर अब महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा है कि ऋषभ स्वीप शॉट खेलते समय जानबूझकर गिरते हैं ताकि संतुलन बना सकें। ऋषभ को इंग्लैंड दौरे में स्वीप शॉट खेलते समय चोट लग गयी थी। चौथे टेस्ट मैच में बल्लेबाजी करते समय उनके पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया था। इसी कारण वह अंतिम मैच से बाहर हो गए। ऋषभ के बार-बार स्वीप शॉट खेलने को लेकर तेंदुलकर ने कहा है कि इंग्लैंड में ऋषभ ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे लगता है कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में आवश्यक व्यावहारिकता के साथ अपने आक्रामक रुख को संतुलित बनाये रखना सीख लिया है। तेंदुलकर ने उस पैडल स्वीप शॉट पर भी बताया जिसे खेलते समय वह

समय अक्सर गिर जाया करते हैं। तेंदुलकर का कहना है कि जमीन पर गिरने के बाद भी ऋषभ उस शॉट को खेलते समय कभी संतुलन नहीं खोते और उनका गिरना भी जानबूझकर होता है। तेंदुलकर ने कहा, उन्होंने जो स्वीप शॉट खेला, उसमें उन्हें गेंद के नीचे आकर उसे थोड़ा ऊपर उठाकर स्कूप करना पसंद है। वहीं लोग सोचते हैं कि वह गिर गए हैं, लेकिन यह जानबूझकर होता है जिससे वह गेंद के नीचे आ सकें। ऐसे शॉट खेलने का राज गेंद के नीचे आना है।

आतंकवादियों से लोहा लेते दिखे जॉन अब्राहम, तेहरान का ट्रेलर रिलीज

अगस्त के महीने में कई दिलचस्प फिल्में थिएटर्स में रिलीज होने जा रही हैं। वहीं, ओटीटी पर भी बहार रहेगी। इस महीने ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों में जॉन अब्राहम की तेहरान का नाम भी शामिल है। इसी फिल्म का 01 अगस्त को ट्रेलर रिलीज किया गया है, जो सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर है। फिल्म तेहरान 14 अगस्त को ओटीटी पर रिलीज होगी। इसे जी5 पर देखा जा सकेगा। जी स्टूडियोज के यूट्यूब चैनल पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। जॉन अब्राहम आतंकवादियों के मंसूबों को नाकाम करते दिख रहे हैं। वे पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेता एक्शन अवतार में दिख रहे हैं।

फिल्म तेहरान को सच्ची घटना पर आधारित बताया जा रहा है। ट्रेलर की शुरुआत में आवाज आती है, ये इंटरनेशनल मैटर है, तीन देशों में ब्लास्ट हुआ है। ये आतंकवादियों का काम है और हमें इन्हें बेनकाब करना होगा। कहां है राजीव कुमार? इसके बाद जॉन अब्राहम की झलक दिखाई देती है। पुलिस ऑफिसर वाले तेवर के साथ वे एक्शन अवतार में नजर आए हैं।

ट्रेलर में जॉन के कई दमदार डायलॉग ट्रेलर में सुनाई देते हैं। एक जगह जॉन कहते हैं, जब एक सोल्जर दूसरे सोल्जर को मारता है तो बात देश को होती है, लेकिन जब एक आतंकवादी किसी मासूम की जान लेता है तो बात बहुत पर्सनल हो जाती है। एक अन्य डायलॉग है, जब तक बम लगाने वाले हाथ काट नहीं दिए जाते, तब तक इंडिया को कोई सीरियसली नहीं लेगा। फिल्म का निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है। इसे दिनेश विजन ने प्रोड्यूसर किया है। ट्रेलर को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। वहीं कुछ दर्शक लिख रहे हैं, यह फिल्म थिएटर्स में रिलीज होनी चाहिए थी।

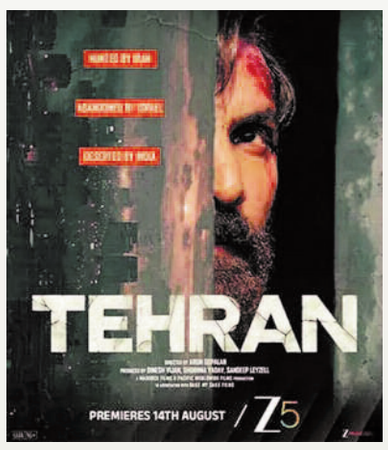

नेशनल अवार्ड मिलने पर बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूँ

प्रतिभाशाली अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने अपनी प्रशंसित फिल्म कटहल- अ जैकफ्रूट मिस्ट्री को इस साल के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का खिताब दिलाकर अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज कर लिया है। अपने बहुमुखी अभिनय और अनोखी पटकथाओं को चुनने की कला के लिए जानी जाने वाली सान्या एक बार फिर ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनी हैं जो अपनी विषयवस्तु और कलात्मक प्रस्तुति के लिए सराही गई हैं। सान्या मल्होत्रा की व्यंग्यात्मक कॉमेडी फिल्म कटहल- अ जैकफ्रूट मिस्ट्री, जिसे इसकी ताजगी भरी कहानी, सामाजिक प्रासंगिकता और अनोखे हास्य के लिए प्रशंसित है, फिल्म में उन्होंने एक जुझारू पुलिस अफसर की भूमिका निभाई, जो दो कीमती कटहलों की चोरी की जांच करती है। इस बड़ी जीत के बाद सान्या ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा- मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूँ कि कटहल को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। यह कहानी मेरे लिए बेहद खास रही है, और मैं गुनीत मोंगा, अचिन जैन और पूरी टीम की आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे इतना अनोखा किरदार दिया। यह फिल्म व्यंग्य और संवेदनशीलता के माध्यम से समाज की महत्वपूर्ण सच्चाइयों को दर्शाती है, और मुझे खुशी है कि यह दर्शकों के साथ जुड़ पाई। इस सम्मान से मुझे और भी अधिक सार्थक सिनेमा चुनने की प्रेरणा मिलती है। जूरी और कटहल को समर्थन देने वाले सभी लोगों को दिल से धन्यवाद।

इस खुशी में और इज़ाफ़ा करते हुए, विक्की कौशल के साथ सान्या मल्होत्रा की मुख्य भूमिका वाली फिल्म सैम बहादुर को कई पुरस्कारों से नवाज़ा गया, जिनमें सर्वश्रेष्ठ मेकअप, सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन और राष्ट्रीय, सामाजिक एवं पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म शामिल हैं। भारत के महान फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ पर आधारित इस बायोपिक को उसकी प्रामाणिकता और देशभक्ति व नेतृत्व की प्रेरणादायक कहानी के लिए खूब सराहा गया। सान्या की सफलता यहीं नहीं रुकी — शाहरुख़ ख़ान अभिनीत फिल्म जवान, जिसमें सान्या एक अहम भूमिका में थीं, ने भी शीर्ष सम्मान अर्जित किया, जो उनकी उस सिनेमा से जुड़ाव को दर्शाता है जो न केवल प्रभावशाली बल्कि व्यावसायिक रूप से भी सफल हैं। सान्या मल्होत्रा के लिए ऐसे आलोचनात्मक और व्यावसायिक रूप से सफल प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना यह साबित करता है कि वे एक ऐसी अभिनेत्री हैं जो हर किरदार में गहराई और विश्वसनीयता लाती हैं। कटहल ने उनके हास्य अभिनय और पात्र-प्रधान भूमिकाओं की प्रतिभा को उजागर किया है, वहीं सैम बहादुर और जवान जैसी फिल्मों ने उन्हें समुच्चय आधारित कहानियों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया है। सान्या अब बॉलीवुड की उन चुनिंदा और भरोसेमंद कलाकारों में शुमार हो चुकी हैं, जो दर्शकों और समीक्षकों दोनों का दिल जीतती हैं।

सैम बहादुर को तीन सम्मान मिलने पर फातिमा सना शेख गदगद

अभिनेत्री फातिमा सना शेख, जो अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं, 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में अपनी फिल्म सैम बहादुर को मिली सफलता से बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म ने तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं - राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों पर आधारित सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ मेकअप और सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन। इस बड़ी उपलब्धि पर फातिमा ने पूरी टीम को बधाई दी और इस यादगार सफर का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की। फातिमा ने एक भावुक बयान में कहा, सैम बहादुर की टीम को तीन शानदार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने पर ढेरों बधाई!! यह वास्तव में मेरे लिए एक गर्व का क्षण है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर और श्रीमती इंदिरा गांधी का किरदार निभाकर मैं बेहद खुश हूं। उन्होंने फिल्म की निर्देशक मेघना गुलज़ार की भी सराहना करते हुए कहा, मेघना गुलज़ार के साथ काम करना एक सपना सच होने जैसा था, और यह मेरे लिए एक बेहद खास अनुभव रहा। मेघना गुलज़ार द्वारा निर्देशित सैम बहादुर भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है। फातिमा ने इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी। उनके सशक्त और विश्वसनीय अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से खूब सराहना मिली थी, जिसने एक बार फिर उनकी अभिनय क्षमता और बहुमुखी प्रतिभा को साबित किया।

पाकिस्तान से जुड़े इवेंट में शामिल होंगे कार्तिक आर्यन? टीम ने दी सफाई

हाल ही में फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने कार्तिक आर्यन को एक ऑफिशियल लेटर लिखा, जिसमें बताया कि वह ह्यूस्टन में होने वाले एक इवेंट में भाग ले रहे हैं, जिसको करवाने वाला शख्स एक पाकिस्तानी है। इस बात का पता चलने पर कार्तिक आर्यन की टीम ने अब सफाई दी है। कार्तिक आर्यन की टीम ने सफाई देते हुए जवाब दिया है, 'कार्तिक आर्यन किसी भी तरह से उस इवेंट से जुड़े नहीं हैं। उन्होंने इवेंट में भाग लेने की कभी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। हमने इवेंट कराने वाले लोगों से कॉन्टैक्ट किया है और कार्तिक का नाम, तस्वीरें प्रमोशन मटीरियल से हटाने का अनुरोध किया है।'

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने एक लेटर कार्तिक आर्यन को लिखा। इसमें बताया गया कि कार्तिक आर्यन 15 अगस्त 2025 को ह्यूस्टन, अमेरिका में आयोजित होने वाले आजादी के एक उत्सव भाग ले रहे हैं। कार्तिक आर्यन इस इवेंट में चीफ गेस्ट हैं। लेकिन यह इवेंट एक पाकिस्तानी रेस्तरां मालिक ने आयोजित किया है। फेडरेशन का यह भी मानना है कि इवेंट कराने वाले लोगों को लेकर कार्तिक आर्यन को जानकारी नहीं रही होगी। ऐसे में कार्तिक आर्यन से रिक्वेस्ट की गई कि वह इस इवेंट में शामिल ना हों।

इन दिनों कार्तिक आर्यन एक फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' की शूटिंग कर रहे हैं, इसे करण जौहर प्रोड्यूस कर रहे हैं। कार्तिक, करण जौहर के प्रोडक्शन की एक और फिल्म कर रहे हैं, जिसमें वह इच्छाधारी नाग बनेंगे। इस फिल्म का नाम 'नागजिला' होगा।

एल्विश यादव के हाथ लगा एक और रियलिटी शो

इस वक्त एल्विश यादव के करियर के सितारे बुलंदियों पर हैं। वह जिस भी चीज में हाथ डाल रहे हैं, वहां से विनर बनकर निकल रहे हैं। बिग बॉस ओटीटी 2 और रोडीज के बाद एल्विश यादव ने लाफ्टर शेफ्स 2 जीता, और अब वह एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। एल्विश यादव जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग भोपाल में चल रही है। एल्विश ने शूटिंग भी शुरू कर दी है। एक सोर्स ने बताया कि एल्विश यादव काफी समय से एक्टिंग की दुनिया में उतरने का मन बना रहे थे, और यह प्रोजेक्ट उनके विजन के हिसाब से एकदम परफेक्ट है। एल्विश अभी भोपाल में शूटिंग कर रहे हैं, और बेहद एक्साइटेड हैं।

एल्विश यादव ने लगातार जीते ये रियलिटी शोज, बढ़ती गई पॉपुलैरिटी

एल्विश यादव एक पॉपुलर यूट्यूबर रहे हैं, और वहीं से उन्हें बिग बॉस ओटीटी में जाने का मौका मिला था। उन्होंने बतौर वाइल्ड कार्ड शो में एंट्री की थी, और विनर बनकर इतिहास रच दिया था। इसके बाद एल्विश यादव की पॉपुलैरिटी और बढ़ गई। उन्होंने कई म्यूजिक वीडियोज किए और MTV Roadies XX में नजर आए। वह इस शो के भी विनर बने, और हाल ही करण कुंद्रा के साथ लाफ्टर शेफ्स- एंटरटेनमेंट अनलिमिटेड जीता।

एल्विश यादव की कमाई और नेट वर्थ, लाफ्टर शेफ्स 2 से इनकम

एल्विश यादव की कमाई और नेट वर्थ की बात करें, तो वह यूट्यूब के अलावा म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शोज जीतकर मोटी कमाई कर रहे हैं। लाफ्टर शेफ्स 2 में एल्विश को हर एपिसोड के लिए 2 लाख रुपये मिले। वह पूरे 44 एपिसोड्स में नजर आए। इस हिसाब से देखें तो एल्विश ने इस शो से 88 लाख रुपये कमाए। इसके अलावा उन्होंने और करण कुंद्रा ने प्राइज मनी भी जीती, जिसका खुलासा नहीं हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एल्विश यादव की नेट वर्थ 50 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है।

एल्विश यादव को मिला एक और शो, जियो हॉटस्टार पर शुरू

एल्विश यादव का करियर एकदम चरम पर है। उनके हाथ एक और नया रियलिटी शो लगा है, जिसे ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जा रहा है। इसका नाम है अड्डा एक्स्ट्रीम बैटल। वह इसे होस्ट कर रहे हैं और हाल ही इसका प्रोमो भी रिलीज किया गया, जिसे एल्विश यादव ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था।

छोरियां चली गांव के जरिए आज की पीढ़ी को दिखाना चाहता हूं देश की खूबसूरती

अभिनेता और होस्ट रणविजय सिंह अपकमिंग रियलिटी शो छोरियां चली गांव में नजर आएंगे। उन्होंने बताया कि इस शो के जरिए वह वर्तमान पीढ़ी, खासकर अपने बच्चों को भारत के सादे जीवन और गांवों की खूबसूरती से रूबरू कराना चाहते हैं। रणविजय के लिए यह शो बेहद खास है, क्योंकि उनकी बचपन की यादें पंजाब के गांव से जुड़ी हैं। रणविजय ने बताया, बचपन में मैं हर गर्मी की छुट्टियों में अपने दादा-दादी के पास गांव जाता था। मुर्गे की आवाज के साथ सुबह उठना, खेतों में नंगे पांव दौड़ना, हैंडपंप से पानी निकालना, गाय के तबेले से दूध लाना और खेतों में मदद करना ये सब मेरी दिनचर्या का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि इन छोटी-छोटी चीजों को परिवार के सामने गर्व से दिखाना उन्हें अच्छा लगता था। उन्होंने आगे कहा, आज की पीढ़ी को ऐसी जिंदगी का अनुभव नहीं मिलता। मैं चाहता हूं कि छोरियां चली गांव के जरिए मेरे बच्चे और युवा पीढ़ी असली भारत को देखें, जहां लोग सादगी से, लेकिन शांति से जीते हैं। रणविजय का मानना है कि यह शो न केवल मनोरंजन करेगा, बल्कि दर्शकों को गांव की सादगी और मूल्यों से जोड़ेगा। वह यह भी चाहते हैं कि उनके बच्चे पानी और भोजन की कीमत समझें और अपने हाथों से काम करने की खुशी को जानें।

छोरियां चली गांव एक अनोखा नॉन-फिक्शन शो है। इस शो में 11 आत्मनिर्भर लड़कियों को 60 दिनों के लिए एक गांव में भेजा जाएगा। वहां वे गांव के रहन-सहन, तौर-तरीकों और परंपराओं के बीच रहेंगी। ये लड़कियां गांव के माहौल में खुद को ढालने की कोशिश करेंगी। उन्हें खाना बनाना, पशुओं की देखभाल करना, खेत में काम करना आदि गांव में होने वाले सभी काम करने होंगे। इस सफर में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जिससे उनकी असली ताकत और जज्बा सामने आएगा। इस शो का मकसद शहर की लड़कियों की ताकत, जज्बा और माहौल के हिसाब से खुद को ढालने की क्षमता को दिखाना है। छोरियां चली गांव जल्द ही जीटीवी पर प्रसारित होगा।

12वीं फेल के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड जीतने पर बोले विक्रांत

फिल्म '12वीं फेल' की कहानी हाशिए पर खड़े उन लोगों की थी, जो मेहनत के दम पर, पढ़-लिखकर यूपीएससी जैसा एग्जाम पास करते हैं। इस संघर्ष को फिल्म में विक्रांत मैसी ने जीवंत कर दिया था। कई बच्चों को इस फिल्म ने मोटिवेट भी किया। अब इसी फिल्म के लिए विक्रांत मैसी को बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला है। इस अवॉर्ड को पाकर विक्रांत कैसा महसूस कर रहे हैं? जानिए।

20 साल पुराना सपना सच हो गया

बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड जीतने पर विक्रांत मैसी कहते हैं, 'मैं सूचना और प्रसारण मंत्रालय और 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की ज्यूरी का शुक्रिया अदा करता हूं। उन्होंने मेरे काम को इस सम्मान के लायक समझा। मैं विधु विनोद चोपड़ा जी का भी शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने मुझे फिल्म में अभिनय करने का मौका दिया। आज मेरा 20 साल पुराना सपना सच हो गया है।' विक्रांत मैसी आगे कहते हैं, 'मैं दर्शकों का दिल से शुक्रिया करता हूं, जिन्होंने मेरी एक्टिंग को पसंद किया, फिल्म '12वीं फेल' को इतने प्यार से आगे बढ़ाया। मेरे लिए खुशी की बात है कि मैं अपना पहला नेशनल अवॉर्ड शाहरुख खान जैसे बड़े कलाकार के साथ शेयर कर रहा हूं।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401